www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक–276 I सागर, सोमवार, 27 नवम्बर 2023 I पृष्ठ –8 I मूल्य – 3.00 रुपए

सड़कों पर अतिक्रमण, गलत पार्किंग से चलना मुश्किल पृष्ठ 3

▪ ये विधानसभा फैसला करेंगी कि 2024 किसका होगा
▪ तेलंगाना में कांग्रेस आगे बढ़ी है, लेकिन बीआरएस के मुकाबले और मेहनत जरूरी पृष्ठ 4

▪ शिक्षक के सूने मकान से चोर ले उड़े सोने-चांदी के जेवरात, स्कूटी पृष्ठ 6

विवि की कीर्तियात्रा में सहभागी बन डॉ. गौर के प्रति कृतज्ञता के पुष्प अर्पित करें: कुलपति पृष्ठ 8

सार-समाचार

संवैधानिक अधिकारों को कुचल रहे भाजपा-आरएसएस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने संविधान को भारतीय लोकतंत्र की जीवन रेखा बताते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश की जनता के संवैधानिक अधिकारों को कुचल रहे हैं। श्री खडगे ने संविधान दिवस पर आज अपने संदेश में कहा भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र की जीवन रेखा है। हम 74वें संविधान दिवस को मनाते हुए इसके निर्माताओं के कृतज्ञ हैं और उनके प्रति अत्यंत श्रद्धा से सर नवाते हैं – क्योंकि उन्होंने हमारे संविधान में प्रत्येक भारतीय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी दी है।

शिवराज ने दी संविधान दिवस की शुभकामनाएं

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य की जनता को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आज कहा कि हम सभी देश के सर्वांगीण विकास हेतु संविधान में वर्णित कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा से निभाने का संकल्प लें।

श्री चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रत्येक भारतीय का अभिमान, लोकतंत्र का प्राण है। विश्व बंधुत्व की भावना से दीप्त, भारत का संविधान है। संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर हम सभी संवैधानिक मूल्यों व अधिकारों से परिचित हों और देश के सर्वांगीण विकास हेतु संविधान में वर्णित कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा से निभाने का संकल्प लें।

जम्मू-कश्मीर के उरी में लश्कर के 3 आतंकी धरे

श्रीनगर, एजेंसी। रविवार सुबह उरी में झूला फुट ब्रिज के पास सुरक्षाबलों की जॉइंट नाका चेकिंग के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के 3 आतंकी पकड़े गए। सर्च के दौरान इनके पास से 3 चीनी ग्रेनेड और ढाई लाख रुपए कैश भी मिला है। उरी पुलिस स्टेशन में इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा कश्मीर के शोपियां में अंसार गजवत-उल-हिंद के एक आतंकवादियों के मददगार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यहशख्स शोपियां में हाबदीपोरा क्रॉसिंग से पकड़ा गया।

पैरा गेम्स के लिए लोगो, मस्कट और जर्सी लॉच

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार को पैरा खेलों का पहला एडिशन, लोगो, मस्कट और जर्सी लॉच करते हुए कहा कि 11 दिसंबर को खेलो इंडिया का उद्घाटन होगा। 10 से 17 दिसंबर तक राजधानी दिल्ली के तीन स्टेडियमों, आईजी स्टेडियम, तुगलकाबाद में शूटिंग रेंज और जेएलएन स्टेडियम में सात स्पर्धाओं में पैरा एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे।

लद्दाख में होगी दक्षिण-पूर्व एशिया की पहली नाइट स्काई सेंचुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख में शीघ्र ही दक्षिण पूर्व एशिया का पहला नाइट स्काई सेंचुरी (अभयारण्य) होगा। अभयारण्य की स्थापना भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान बेंगलुरु के सहयोग से की जा रही है। यह भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से संबद्ध है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से, हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हानले में नाइट स्काई रिजर्व का उद्घाटन करने का अनुरोध करेंगे।

महिलाकर्मियों के हाथों में मतगणना की जिम्मेदारी

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में निर्वाचन आयोग ने मतगणना से जुड़ी सारी तैयारी लगभग पूरी कर ली हैं। इस बार पहली बार महिलाकर्मियों को मतगणना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिले की तीनों विधानसभाओं बस्तर, जगदलपुर और चित्रकोट की गणना 16 से 18 राउंड में की जाएगी। इस दौरान 14 टेबल लगाए जाएंगे और प्रत्येक टेबल पर भाजपा- कांग्रेस के 14-14 एजेंट मौजूद रहेंगे।

संविधान दिवस पर बोले मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़

अदालतों में जाने से नहीं डरे जनता

- अदालतों को अंतिम उपाय के तौर पर देखना चाहिए
- सुप्रीम कोर्ट ने 'लोगों की अदालत' के तौर पर काम किया
- चिट्ठी-पत्रियों का भी लिया गया संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड ने रविवार को संविधान दिवस के मौके पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अब तक 'लोगों की अदालत' के तौर पर काम किया है और नागरिकों को न तो कोर्ट आने से डरना चाहिए और न ही उन्हें इसे अंतिम उपाय के तौर पर देखना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस से जुड़े कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सीजेआई चंद्रचूड ने कहा कि जिस तरह संविधान लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रक्रियाओं के जरिए हमें राजनीतिक मतभेदों को खत्म करने में मदद करता है। उसी तरह कोर्ट की प्रणाली हमें स्थापित सिद्धांतों और प्रक्रियाओं के जरिए कई तरह की असहमतियों को सुलझाने में मदद करती है। इसलिए हम कह सकते हैं कि कोर्ट में हर केस संवैधानिक शासन का विस्तार है। इस कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण से हुई। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संजीव किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना मौजूद रहे। इसके अलावा कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे।

> जिस तरह संविधान लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रक्रियाओं के जरिए हमें राजनीतिक मतभेदों को खत्म करने में मदद करता है। उसी तरह अदालतें कई तरह की असहमतियों को सुलझाने में मदद करती है : डीवाई चंद्रचूड

चीफ जस्टिस ने अपने संबोधन में कहा, पिछले सात दशकों में सुप्रीम कोर्ट ने लोगों की अदालत के तौर पर काम किया है। हजारों लोग इस संस्थान में न्याय पाने के भरोसे के साथ इसके दरवाजे तक आए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक कोर्ट में अपनी निजी आजादी, जवाबदेही, गैरकानूनी गिरफ्तारी, बंधुआ मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, आदिवासी अपनी जमीन की सुरक्षा के लिए, मैला ढोने जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए ■ शेष पृष्ठ 5 पर

न्याय को सर्वसुलभ बनाने की जरूरत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश में सामान्य नागरिकों को न्याय मिलने में आज भी कई तरह की बाधाएं व्याप्त होने की चर्चा करते हुए कहा कि न्याय को सर्वसुलभ बनाना ही इसके उद्येश्यों को पूरा करने का बससे अच्छा तरीका है। श्रीमती मुर्मु ने देश में योग्यता के आधार पर न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए एक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा पर विचार किए जाने का भी सुझाव दिया। राष्ट्रपति ने कहा, न्याय का उद्देश्य, इसे सभी के लिए सुलभ बनाकर सर्वोत्तम तरीके से पूरा किया जा सकता है। इससे समानता को भी बल मिलता है।

कानूनों को सरल बनाने की जरूरत : खन्ना

वहीं, सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि कानूनों को सरल, सुलभ, अधिक मानवीय और युवा पीढ़ी से संबंधित बनाने की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाला एक जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने सभी से मजबूत संकल्प, एकता और आशावाद के साथ आगे बढ़ने का अनुरोध किया।

केसीआर सरकार पर राहुल ने साधा निशाना, कहा-

सबसे भ्रष्ट सरकार तेलंगाना में है

एंडोला, एजेंसी। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने को लेकर सभी दल जोर अजमाइश कर रहे हैं। तमाम दलों के नेता लगातार जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। कांग्रेस के स्टार प्रचारक भी लगातार चुनावी रैलियां आयोजित कर रहे हैं। इसी बीच, तेलंगाना के एंडोला में एक चुनावी रैली में राहुल गांधी ने शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने सत्तारूढ़ दल बीआरएस और भाजपा को जमकर घेरा।

रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, राज्य के आठ हजार किसानों ने आत्महत्या क्यों की। आपके राज्य के विधायक ही दलित बंधु योजना में कटौती कर रहे हैं। भारत में सबसे भ्रष्ट सरकार तेलंगाना राज्य में ही है। मुझे बताते हुए दुख हो रहा है कि इसका खामियाजा सिर्फ ■ शेष पृष्ठ 5 पर

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना में की जनसभा, बोले-

कांग्रेस-बीआरएस एक दूसरे की कार्बन कॉपी

हैदराबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के तुरपान में एक जनसभा के दौरान कहा- छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान, तीनों राज्यों में मतदान हो चुका है और मैंने तीनों राज्यों में देखा है कि इंडिया गठबंधन साफ हो जाएगा। वहां की महिलाएं, वहां के किसान, वहां के जवान कांग्रेस पार्टी को जड़ों से उखाड़ फेंकने वाले हैं। कांग्रेस और बीआरएस दोनों की पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण और खराब कानून व्यवस्था से है। ये दोनों पार्टियां एक-दूसरे की कार्बन कॉपी हैं।

टनल में ऊपर से नीचे की तरफ बनाया जा रहा रास्ता

सौ घंटे में मजदूरों तक पहुंचने की उम्मीद

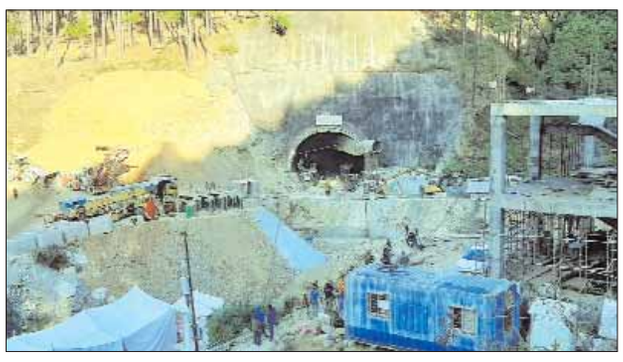

उत्तरकाशी, देशबन्धु। उत्तरकाशी की सिल्क्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए शुक्रवार से बंद पड़ा बचाव अभियान आज फिर से शुरू हो गया है।

मजदूरों तक पहुंचने के लिए अब पहाड़ की चोटी से वर्टिकल ड्रिलिंग की जा रही है। अब तक 15 मीटर से ज्यादा खुदाई हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि अगर कोई रुकावट नहीं आई तो हम 100 घंटे में मजदूरों तक पहुंच जाएंगे।

मलबा गिरने की भी आशंका

वर्टिकल ड्रिलिंग के तहत पहाड़ में ऊपर से नीचे की तरफ बड़ा होल करके रास्ता बनाया जाएगा। हालांकि इसमें काफी खतरा है, क्योंकि खुदाई के दौरान बड़ी मात्रा में मलबा गिरने की आशंका है। ड्रिलिंग में कितना समय लगेगा, इस बारे में भी कुछ नहीं कहा गया है। टनल में फोन की लैंडलाइन भी डाली जाएगी। इससे मजदूर अपने परिवार से बात कर सकेंगे।

सेना को बुलाया

टनल में फंसे मजदूरों तक पहुंचने के लिए अमेरिकन ऑगर मशीन के जरिए खुदाई करके रेस्क्यू पाइप डाले जा रहे थे। शुक्रवार को मजदूरों की लोकेशन से महज 10 मीटर पहले मशीन की ब्लेड्स टूट गई थीं। इस वजह से रेस्क्यू रोकना पड़ा था। इसके बाद मशीन के बजाय मैन्युअल ड्रिलिंग कराने का फैसला किया गया। मैन्युअल ड्रिलिंग के लिए सेना को बुलाया गया है।

शहडोल जिले में खनन माफिया का आतंक

ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर पटवारी की हत्या

शहडोल, देशबन्धु। प्रदेश के शहडोल जिले में माफिया का आतंक सामने आया है। यहां अवैध रूप से रेत खनन कर ले जाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर एक पटवारी की हत्या कर दी गई।

पुलिस ने बताया कि शनिवार मध्यरात्रि के आसपास हुई घटना के आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है। देवलौंद पुलिस थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा के अनुसार पटवारी प्रसन्न सिंह सहित सरकारी कर्मचारियों की एक टीम ने गोपालपुर क्षेत्र में सोन नदी के पास अवैध रूप से खनन की गई रेत भरकर ले जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने पटवारी को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरोपी चालक वाहन लेकर फरार हो गया। शहडोल के पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक ने बताया कि पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर ट्रैक्टर और उसके चालक शुभम विश्वकर्मा (25) की पहचान की, जिसे रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि अपराध स्थल से लगभग आठ किलोमीटर दूर स्थित मैहर जिले के निवासी विश्वकर्मा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है और उसके मालिक की पहचान कर ली गई है। जिलाधिकारी वंदना वैद्य ने कहा कि अवैध रेत खनन की शिकायतों के बाद राजस्व, खनन विभाग और पुलिस की एक संयुक्त टीम ने 23 नवंबर को क्षेत्र का निरीक्षण किया था। उन्होंने बताया कि गुरुवार और शुक्रवार को उसी क्षेत्र से अवैध रूप से खनन की गई रेत जब्त की गई थी। वैद्य ने कहा कि ब्यौहारी के एसडीएम और अन्य अधिकारियों ने शनिवार रात 8:30 बजे तक क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि यह घटना तब हुई, जब पटवारी और उनके 3 सहयोगी बाद में स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर गए थे।

भ्रष्टाचार और घोटालों के कारण हो रहीं जघन्य घटनाएं : कमलनाथ

पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने शहडोल में रेत माफिया द्वारा पटवारी की हत्या किए जाने पर शिवराज सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, शहडोल में रेत माफिया की तरफ से अवैध खनन रोकने गए पटवारी प्रसन्न सिंह को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर मार देने की जघन्य वारदात सामने आई है. यह पहला मौका नहीं है जब प्रदेश में रेत माफिया ने इस तरह से किसी सरकारी व्यक्ति को कुचल कर मार दिया हो। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार के दौरान पनपा भ्रष्टाचार और घोटालों के कारण यह स्थिति बनी है और इस तरह की जघन्य घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। कमलनाथ ने प्रशासन से मांग की है कि दिवंगत पटवारी के परिवार को समुचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में एकत्रित हुए प्रदर्शनकारी

किसानों का दिल्ली जैसा आंदोलन शुरू

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा के हजारों प्रदर्शनकारी किसान रविवार को अपनी मांगों को लेकर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन के तहत दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में इकट्ठा होना शुरू कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि वे लंबी यात्रा के लिए तैयार होकर आए हैं। उनमें से कई लोग अपने ट्रैक्टर-ट्रेलरों पर सब्जियां, आटे और दाल की बोरियां और खाना पकाने का तेल साथ लाए थे। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के तहत किसान यूनियनों ने किसानों के ऐतिहासिक 'दिल्ली चलो' आंदोलन की तीसरी वर्षगांठ और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी जैसी मांगों को पूरा न करने पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। इस बार उसने चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा के राजभवनों के सामने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए 'चंडीगढ़ चलो' आंदोलन दिया है।

- समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी व अन्य मांगों को लेकर हो रहा प्रदर्शन
- पुलिस ने सीमाएं सील की

प्रदर्शनकारी किसान, जिनमें पुरुष और महिलाएं - युवा और बूढ़े दोनों - और ट्रैक्टर-ट्रेलर, कारों और मोटरसाइकिलों पर सवार स्कूल और कॉलेज के छात्र शामिल हैं, पंजाब में मोहाली और हरियाणा में पंचकुला की सीमाओं पर इकट्ठा हो रहे हैं। किसानों के चंडीगढ़ में जबरन प्रवेश को रोकने के लिए दोनों राज्यों और चंडीगढ़ की पुलिस को भारी संख्या में तैनात किया गया है और सीमाएं सील कर दी गई हैं। एसकेएम की समन्वय समिति के सदस्य दर्शन पाल ने मीडिया को बताया, कृषि संघ अपनी मांगें पूरी न होने पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए राजभवन की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो वे आंदोलन को अनिश्चितकाल तक बढ़ाएंगे।

उप्र विस में बसपा-कांग्रेस से छिना बड़ा कार्यालय

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बसपा और कांग्रेस को कार्यालय की जगह अब केबिन आवंटित किया गया है। लंबे अरसे से विधानसभा में बसपा और कांग्रेस को बड़ा कक्ष आवंटित था।

- अब दोनों पार्टियों को छोटा केबिन मिलेगा
- उप्र विधानसभा में कांग्रेस के हैं दो सदस्य

अब बसपा और कांग्रेस कार्यालय को मिलाकर सपा कार्यालय को बड़ा किया गया है। दोनों दलों को लोक दल, सुभासपा कार्यालय के पास केबिन आवंटित किया गया है। कार्यालय छीनने पर कांग्रेस और बसपा के नेताओं ने नाराजगी जताई है। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने कहा कि दोनों दलों के लिए नए ऑफिस बनाए जाएंगे। इस पर बसपा विधानमंडल दल के नेता उमाशंकर सिंह ने कहा कि इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर पार्टी के लिए कार्यालय आवंटित करने की मांग की जाएगी।

फिलहाल पार्टी को एक छोटा केबिन दिया गया है। अध्यक्ष द्वारा कार्यालय देने का आश्वासन पूर्व में दिया गया था। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस के दो सदस्य है जबकि बसपा का एक सिर्फ एक ही सदस्य है। प्रदेश की 402 सदस्यीय विधानसभा में आराधना मिश्रा मोना व वीरेंद्र चौधरी कांग्रेस के सदस्य हैं। जबकि उमा शंकर सिंह बसपा के सदस्य हैं।

चीन में 'रहस्यमयी बीमारी' के बाद केंद्र ने जारी किए दिशा निर्देश

श्वसन संबंधी बीमारियों पर राज्यों को सतर्कता बरतने की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने चीन में बच्चों की श्वसन संबंधी बीमारियों की स्थिति को देखते हुए देश में राज्यों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है और कोविड संशोधित निगरानी दिशानिर्देश लागू करने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि चीन में लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति के मद्देनजर श्वसन संबंधी बीमारियों से निपटने को लेकर तैयारियों के उपायों की विस्तृत समीक्षा करने का निर्णय लिया गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल के सप्ताहों में उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि के मद्देनजर सावधानी बरतने और श्वसन संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए तैयारियों के उपायों की विस्तृत समीक्षा करने का निर्णय लिया है। मंत्रालय के अनुसार मौजूदा इन्फ्लूएंजा और सर्दी के मौसम को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है, जिसके परिणामस्वरूप श्वसन संबंधी बीमारी में वृद्धि हुई है। सरकार इस पर बारीकी से नजर रख रही है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

- कोविड संशोधित निगरानी दिशा निर्देश लागू करें
- बच्चों और किशोरों पर विशेष ध्यान देने को कहा
- अस्पताल की तैयारियों की तत्काल समीक्षा की सलाह

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को लिखे गए एक पत्र में जन स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारियों की तत्काल समीक्षा करने की सलाह दी गई है। इनमें मानव संसाधन, अस्पताल में फ्लू के लिए दवाएं और टीके, मेडिकल ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक औषधियों, व्यक्तिगत सुरक्षा के उपकरणों, टेस्टिंग किट एवं रिएजेंट, ऑक्सीजन प्लांट और वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण की रोकथाम के पर्याप्त उपाय इनमें शामिल हैं। पत्र में सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को 'कोविड-19 के संदर्भ में संशोधित निगरानी रणनीति, के लिए दिशानिर्देश' लागू करने को कहा है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बच्चों और किशोरों पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। राज्यों को श्वसन परीक्षण के लिए राज्यों में स्थित वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरीज (वीआरडीएल) को एसएआरआई वाले रोगियों, विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के नाक और गले के स्वाब के नमूने भेजने के लिए कहा गया है। इन एहतियाती और व्यापक उपायों के परिणामस्वरूप किसी भी संभावित स्थिति का मुकाबला करने और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित होने की उम्मीद है। हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट से चीन के उत्तरी भागों में श्वसन संबंधी बीमारी में वृद्धि का संकेत मिला है। मुख्य रूप से इन्फ्लूएंजा, माइकोप्लाज्मा निमोनिया, सार्स-कोव-2 आदि के सामान्य कारणों को इसके लिए जिम्मेदार बताया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सर्दी के मौसम की शुरुआत के साथ-साथ माइकोप्लाज्मा निमोनिया जैसी श्वसन संबंधी बीमारियों के प्रसार के साथ-साथ कोविड-19 प्रतिबंधों को हटाया जाना भी इसमें वृद्धि का कारण बना है।

धर्मश्री से न्यू आरटीओ तक बन रही 6 किमी फोर लेन सड़क का विधायक ने किया निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने धर्मश्री से राजघाट तिराहा तक सड़क के चौड़ीकरन कार्य का निरीक्षण किया। विधायक ने बताया कि स्मार्ट सिटी द्वारा धर्मश्री से राजघाट तिराहा तक लगभग 3 किलो मीटर लंबी सड़क का चौड़ीकरन किया जा रहा है अभी वर्तमान में यह सड़क 7 मीटर चौड़ी है इसे बढ़ाकर 18 मीटर चौड़ी किया जा रहा है जिसमे दोनो ओर 3.5 मीटर बढ़ाया जाएगा और इसमे मीटर का मेडियन रहेगा जिस पर स्ट्रीट लाइट पोल और पौधे लगाए जाएंगे दोनो ओर 1-1 मीटर का फुटपाथ रहेगा। वहीं राजघाट तिराहा से न्यू आरटीओ तक 3 किमी लंबी सड़क की चौड़ाई को भी 7 मीटर से बढ़ाकर 18 मीटर किया जा रहा है इसमें भी दोनो ओर 1-1 मीटर का पाथ वे 1 मीटर का मेडियन जिसमे स्ट्रीट लाइट पोल और पौधे लगाए जाएंगे। हमारा सागर विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है और विकास का मुख्य आधार किसी भी नगर की सड़के होती है हमारा प्रयास है कि हम यथा संभव सागर नगर की सभी सड़कों को चौड़ीकरन करके महानगर की तर्ज पर विकसित करें।

सीएम राइज स्कूल के छात्र-छात्राओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

बण्डा, देशबन्धु। संभाग स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता के अंतर्गत सागर संभाग में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में से लोकगीत एवं कव्वाली में शासकीय सीएम राइज स्कूल बंडा के छात्र-छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। लोकगीत प्रतियोगिता में छात्रा रक्षा प्रजापति, मुस्कान लोधी, रोशनी बंसल, तुलसीराम, राहुल वहीं कव्वाली प्रतियोगिता में तुलसीराम पटेल, अनंत श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र आट्या, साहिल, कंचन लोधी, लक्ष्मी राजपूत, रिया साहू, गौरी अहिरवार, नैनसी यादव सहित अन्य छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। छात्र-छात्राओं की इस सफलता पर स्कूल के प्राचार्य दिवाकर मिश्रा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अमित यादव, प्रधानाध्यापक एवं वरिष्ठ शिक्षक संजय सेन, विवेक सोनी, डॉ. शैलेंद्र जैन, डॉ. वंदना तिवारी, केके नामदेव, देवेंद्र हजारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी, विद्यालय की सांस्कृतिक टीम में संगीत शिक्षक चंद्रकांत सेन, अंजनी श्रीवास्तव, राहुल जैन, भारती श्रीवास्तव, आशीष जैन, रंजीत गौर, भारती थापा, दीपा चतुर्वेदी, रागिनी जैन, केके विश्वकर्मा सहित अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का भी सहयोग रहा।

बड़ा बाजार छात्र संघ की वाहन रैली को विधायक ने झंडी दिखाकर रवाना किया

सागर, देशबन्धु। बड़ा बाजार छात्र संघ द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार बुंदेली माटी के सपूत महान दानवीर डॉ. हरी सिंह गौर की 154 वीं जन्म जयंती के अवसर पर बाइक रैली का आयोजन किया गया, रैली को झंडी दिखाकर विधायक शैलेंद्र जैन ने रवाना किया। कार्यक्रम को विधायक जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि बुंदेली माटी के सपूत महान दानवीर हम सब की आदर्श डॉ. हरिसिंह गौर के जन्म जयंती की मैं आप सभी को बधाई देता हूं प्रतिवर्ष अनुसार बड़ा बाजार छात्र संघ द्वारा यह आयोजन किया जाता है इसके लिए भी छात्र संघ के संरक्षक और सभी पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इस परंपरा को लगातार बनाए रखा है और मेरा आप सभी से आग्रह है कि हमेशा इस परंपरा को बनाए रखने के लिए मेरा जो भी सहयोग होगा मैं तन मन धन से करूंगा सागर में हम सभी आज जिस मुकाम पर हैं उसमें डॉक्टर गौर साहब का बहुत बड़ा योगदान है। इस अवसर पर लालू घोसी, प्रदीप राजोरिया, नेवी जैन, अध्यक्ष अंकित बोहरे, शंभू खटीक, रीतेश मिश्रा, प्रह्लाद प्यासी, सोनल सोनी, श्याम जी दुबे, बाटू दुबे, संतोष दुबे, कमलेंद्र जाटव आदि उपस्थित थे।

डॉ. हरीसिंह गौर दानवीर के साथ समाज सुधारक भी थे : अवस्थी

सागर, देशबन्धु। डॉ. सर हरीसिंह गौर की जन्म जयंती के अवसर पर गौर युवा मंच द्वारा कबूला पुल स्थित गौर चौराहे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी के द्वारा डॉक्टर गौर के चित्र पर माल्यार्पण कर आरती उतार कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की गई इसके साथ ही डॉक्टर गौर की जय घोष के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसकी पश्चात गौर युवा मंच के अध्यक्ष अधिवक्ता रविंद अवस्थी ने संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. सर हरीसिंह गौर जिन्होंने अपने जीवन की जमा पूंजी को सागर की जनता को शिक्षा के क्षेत्र में दान दी उसके साथ-साथ उन्होंने समाज सुधार का भी कार्य किया है उनके द्वारा न्याय की क्षेत्र में जो भी कार्य किए गए उनको भी हम भूल नहीं सकते चाहे वह महिलाओं के लिए वकालत करने का अधिकार हो चाहे और भी अन्य इस प्रकार की प्रस्ताव संविधान में रखे गए जो समाज के लिए वरदान है सागर विश्वविद्यालय में कई विषयों को चालू करवाया जो देश के अन्य विश्वविद्यालय में नहीं पढ़ाई जाते हैं उन सभी विषयों को सागर विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाता है परंतु एक महत्वपूर्ण विषय यह भी है कि सागर के लिए जो डॉक्टर गौर ने किया है वह हम उनको भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने का प्रयास करें और यही कर हम सभी को मिलकर करना चाहिए तभी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की जावेगी। मंच द्वारा जल्दी ही डॉक्टर गौर की प्रतिमा की स्थापना भी की जाएगी। कार्यक्रम को भाजपा प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल पटेल, प्राचार्य सुशील केसरवानी, पंकज मखारिया, श्याम सुंदर मिश्रा ने भी डॉक्टर गौर की विस्तृत किए गए कार्यों को बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विशाल मिश्रा ने किया। आभार सौरभ केसरवानी ने माना। कार्यक्रम में पदाधिकारी, छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित थे।

349 क्विंटल मूंग से भरा ट्रक लेकर भागा ड्राइवर

सागर, देशबन्धु। गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र से जयपुर भेजी गई 349.49 क्विंटल मूंग ट्रक के साथ ड्राइवर लेकर गायब हो गया। जयपुर मूंग नहीं पहुंचने पर व्यापारी ने तलाश की। लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिली। जिसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। वहीं मूंग से भरे ट्रक की तलाश शुरू की है। पुलिस के अनुसार अनाज व्यापारी महेश कुमार दूदानी निवासी पिपरिया ने थाना गढ़ाकोटा में आकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि गढाकोटा के भटौली वेयर हाऊस की मूंग खरीदी थी। 349.49 क्विंटल कीमती 25 लाख 61 हजार 125 रुपए की मूंग ट्रक क्रमांक आरजे 05 जीवी 2177 में लोड कराई थी। ट्रक ड्रायवर पप्पू उर्फ कलू को 32 हजार रुपए एडवांस भाड़ा दिया था। मूंग फर्म को देने के लिए साईं ट्रांसपोर्ट जबलपुर द्वारा केएम इंडस्ट्रीज जयपुर को भेजी गई थी, जो पार्टी को नहीं पहुंची है। संबंध पार्टी के मालिक ने फोन पर बताया कि मूंग अब तक जयपुर नहीं पहुंची है। जिस पर ट्रक चालक और मालिक की जानकारी निकाली। लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। ट्रक ड्राइवर मूंग के साथ वाहन लेकर कहीं भाग गया है। मामले की शिकायत पर गढ़ाकोटा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक ड्राइवर पप्पू उर्फ कालू पिता प्रभुलाल मीना के खिलाफ धारा 406 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

डॉ. हरिसिंह गौर का योगदान बुंदेली माटी के लिए वरदान रहा: आनंद अहिरवार

सागर, देशबन्धु। जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी सागर द्वारा स्थानीय खुरई रोड स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर परिषद में डॉ. सर हरिसिंह गौर जन्म जयंती पर्व के रूप में आयोजित किया गया। जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. आनंद अहिरवार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. सर हरिसिंह गौर ने समूचे बुंदेलखंड के स्वर्ण में विकास के लिए हर व्यक्ति को शिक्षा से जोड़ने के लिए देश के कोने-कोने में सागर को पहचान दिलाने के लिए अपनी स्वयं की पूंजी से जो विश्वविद्यालय की नींव रखी थी आज मुझ जैसे लाखों लोग शिक्षा पाकर गरीब परिस्थितियों में जन्म लेने के बावजूद भी खुशहाल जीवन जी रहे हैं। आज के दिन को भारत का संभिधान भी बनाया गया था और बड़ा रोचक अवसर रहा की कत सर हरीसिंह गौर साब इस संविधान निर्माण सभा के सदस्य भी थे। मप्र कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गुड्डू राजा बुंदेला ने भी बुंदेली माटी के सपूत डॉ. हरिसिंह गौर के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक श्रीवास्तव, सुरेंद्र सुहाने, जगदीश यादव, बाबू सिंह यादव, चक्रेश सिंघई, रमाकांत यादव, मुकुल पुरोहित, अभिषेक गौर, अशोक साहू चकिया आदि सहित बढ़ी सख्या मे कांग्रेसजन उपस्थित थे।

कांग्रेस विधि विभाग ने गौर जयंती एवं संविधान दिवस मनाया

सागर, देशबन्धु। संविधान दिवस एवं गौर जयंती के अवसर पर कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा भगवानगंज में संविधान दिवस 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान को अधिनियमित अंगीकृत, आत्मार्पित किया गया था तभी से इसे देश भर मै मनाया जाता है। डॉ. हरी सिंह गौर के जन्मदिन दिवस के उपलक्ष में मिठाई बांटी गई तथा 26/11 को हुए शहीदों को नमन तथा श्रद्धांजलि दी गई। कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग के जिला अध्यक्ष शिवराज लड़िया के नेतृत्व में डॉ. भीमराव अंबेडकर साहब की प्रतिमा भगवानगंज में माल्यार्पण कर संविधान की उद्देशिका का वाचन किया गया। विशेष अतिथि मप्र विधि एवं मानव अधिकार विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे एडवोकेट एवं विशेष अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश यादव, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी, जितेंद्र सिंह चावला, मदन सोनी, गोवर्धन रैकवार, नरेश चौबे आदि ने अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर कमलेश नायक, नरेंद्र सोनी, लोकेंद्र सिंह ठाकुर, कमलेश तिवारी आदि उपस्थित थे।

चैकिंग के नाम पर बुर्जुग दंपत्ति के जेवरात छीने

सागर, देशबन्धु। मोतीनगर थाना अंतर्गत खुरई रोड स्थित भाग्योदय तीर्थ के पूर्व चैंकिग के नाम पर दो मोटर साईकिल सवार अज्ञात चालकों द्वारा बुर्जुग जैन दंपत्ति की जेवरात गायब कर दिए गए, जो कि मंदिर जा रहे थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में ले लिया है। उपरोक्त मार्ग के सीसीटीव्ही कैमरों से फुटेज खंगाले जा रहे है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संत रविदास वार्ड निवासी बुर्जुग दंपत्ति निर्मल कुमार जैन और मालती जैन रविवार की दोपहर में भाग्योदय स्थित जैन मंदिर की ओर जा रहे थे कि बस स्टैण्ड के रास्ते में दो अज्ञात मोटर साईकिल चालकों द्वारा रास्ते में बुर्जुग दंपत्ति को रोक लिया और कहा कि आगे चैकिंग चल रही है आप लोग अपने सोने चांदी के आभूषण उतार कर रख लें। इससे पहले कि बुर्जुग दंपत्ति कुछ समझ पाते और पति-पत्नी ने एक सोने की चैन, दो अंगूठी और दो कंगन उतारे। इसके बाद उन्हें कुछ पता नहीं चला। जब तक दोनों की समझ में आया तब तक सोने के आभूषण और मोटर साइकिल चालक गायब हो चुके थे। मोतीनगर थाने में पहुंचे श्री जैन ने लिखित में अपनी शिकायत दर्ज कराई है जिस पर पुलिस ने भादवि की धारा 420 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में ले लिया है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों से पुलिस फुटेज निकलवा रही है।

श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर निकला नगर कीर्तन

सागर, देशबन्धु। सिंधी कॉलोनी में सुबह 7 बजे निकला नगर कीर्तन सुनकर कॉलोनी की महिलाओ ने अपने-अपने घरों की छतों से की पुष्प वर्षा की धन गुरु नानक सारा जग तरियां की स्वर लहरोंयों से गुंजायमान हो उठा प्रवक्ता राजेश मनवानी ने बताया की सुबह सो रहे कॉलोनी वासियों की नींद खुली तो बाहर जाकर देखा तो फूलों की पालकी में सजी दादी कौशल्या देवी विराजमान थी सभी लोगो ने प्रसाद दिया तो दादी ने उसी प्रसाद में और प्रसाद मिलकर उन्हें वापस दिया। गुरुद्वारा से जुलूस पूरी कॉलोनी का भ्रमण कर नॉवल्टी गली, मनवानी गली, कुकरेजा गली, प्रायमरी स्कूल, शास्त्री वार्ड से वापस सिंधी गुरुद्वारा दोप 1 बजे पंहुचा सेवादार सड़कों को धुल हटाते चल रहे थे। लोग जगह-जगह फूल बरसा रहे थे गुरुद्वारा सेवादार लख्मीचंद मनवानी ने सभी सिंधी समाज का आभार माना। इस मौके पर भीष्म राजपूत, निर्मल भोले, सुरेश मोहनानी, मोहनलाल सडानी, लालचंद मेठवानी सहित बड़ी संख्या में सिंधी समाज की महिलाएं व पुरुष शामिल थे।

आज मनाया जाएगा प्रकाश पर्व

प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में खुरई रोड स्थित साई मिलनराम दरबार सिंधी गुरुद्वारे में अखंड पाठ का आयोजन होगा। अरदास के बाद लंगर का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग प्रसादी ग्रहण करेंगे। इसको लेकर समाज द्वारा व्यवस्थाएं पूरी कर ली है। आज रात में प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। गुरुद्वारा में विशेष कार्यक्रम रखा गया है। रात में 11 बजे से दो बजे तक कीर्तन का संगीतमय आयोजन होगा। यहां सभी समाज बंधु एकत्रित होकर देर रात गुरूनानक देवजी का जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाएंगे।

दीपावली मिलन एवं माता पिता सम्मान समारोह का आयोजन किया

सागर, देशबन्धु। शहर के 98 वर्षीय वयोवृद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ताराचंद चन्द्र जैन एवं रोटरी क्लब सागर सेन्ट्रल के सभी सदस्यों के माता-पिता का सम्मान शाल श्रीफल एवं सम्मान पत्र प्रदान किया गया। इसी अवसर पर रोटरी क्लब सागर सेन्ट्रल के भूतपूर्व अध्यक्ष अमित गुप्ता ने श्री श्री रविशंकर स्कूल के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के बर्तन गैस स्टोव आदि प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में क्लब के परिवार के 100 से अधिक लोगों ने शिरकत की। मुख्य रूप से पीडीजी रोट के के सराफ अध्यक्ष विजय भूषण वर्मा, सचिव अनुराग चौधरी, वरिष्ठ सदस्य रोट सुभाष कंड्या, इनरव्हील अध्यक्ष ममता भूषण वर्मा, सचिव प्रीति चौधरी उपस्थित थे। कार्यक्रम के बीच में बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रो. राजीव खंडेलवाल, रो. डी के जैन, रो. अभिनय जैन, रो. डॉ आजाद जैन कार्यक्रम संयोजक के रूप में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन रो. वीरेंद्र जैन ने किया गया। कार्यक्रम का समापन रात्रि भोज के साथ हुआ। कार्यक्रम में शामिल सभी रोटेरियन एवं इनरव्हील साथियों का सहयोग रहा।

डॉ. गौर को भारतरत्न दिलाने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ सेवादल का मासिक ध्वज वंदन

सागर, देशबन्धु। सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरिसिंह गौर की जयंती पर कांग्रेस सेवादल परिवार ने गौरमूर्ति तीनबत्ती पर नवंबर माह के अंतिम रविवार का मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में ध्वजारोहण पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा के द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि नवंबर माह का अपना ही अलग महत्व है 14 नबंवर को देश के पहले प्रधानमंत्री, 19 नबंवर को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री और 26 नबंवर को संविधान सभा के सदस्य और हम सबकी आन बान शान डॉ. हरिसिंह गौर का जन्मदिन पड़ता है। डॉ. शर्मा ने सेवादल के मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम की तारीफ कर प्रोत्साहन भी किया। सेवादल के शहर अध्यक्ष सिन्टू कटारे और ग्रामीण अध्यक्ष महेश जाटव ने डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिये लगातार संघर्ष करने का प्रण लिया और साथ-साथ सभी को डॉ. राकेश शर्मा ने संघर्ष करने का प्रण दिलाया। कार्यक्रम का आयोजन शहर सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे और संचालन द्वारका चौधरी ने किया। कार्यक्रम में भोलेश्वर प्रसाद तिवारी, पुरूषोत्तम मुन्ना चौबे, चक्रेश सिंघई, राकेश राय, राहुल चौबे, आशीष ज्योतिषी, प्रदीप गुप्ता, मीना पटेल आदि उपस्थित रहे।

राम दरबार में 11 हजार मंजरी चढ़ाकर शिवार्चन की

सागर, देशबन्धु। बैकुंठ चतुर्दशी के पावन शुभ अवसर पर उपनगरीय मकरोनिया क्षेत्र स्थित श्री राम दरबार मंदिर प्रांगण में बने शिवालय में केशव गिरी महाराज ने बताया की भगवान शिव जी को 11 हजार मंजरी चढ़ाकर शिवार्चन किया। इस अवसर पर अभिषेक गौर, सीताराम सेन, विद्यासागर उपाध्याय सहित महिला मंडली के सदस्य उपस्थित रहे।

निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण संपन्न

सागर, देशबन्धु। रविवार को रोटरी क्लब ऑफ सागर के रोटरी कम्युनिटी कॉर्प आरसीसी के द्वारा रोटरी कम्युनिटी कोर्प आरसीसी शतरंज प्रशिक्षण रविवार सुबह 10 बजे कांची रेस्टोरेंट सिविल लाइन में विनीता राजपूत पूर्व आरसीसी गोपालगंज अध्यक्ष सागर के मुख्य अतिथ्य, आरसीसी बहेरिया अध्यक्ष फिडे आर्बिटर, इंजी. अंकुर सिंह ठाकुर, वैज्ञानिक डॉ. आशीष त्रिपाठी कृषि विज्ञान केंद्र, अजय उपाध्याय, सपना लोधी, अभिषेक जैन की उपस्थिति में किया गया। इस प्रशिक्षण में 18 बच्चों ने सहभागिता की। यह प्रशिक्षण हर रविवार को सुबह 10 से 12 तक निःशुल्क कांची रेस्टोरेंट सिविल लाइन सागर में दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शतरंज में बच्चों की दिलचस्पी बढ़े और जिससे उनके खेल के स्तर में बढ़ोतरी हो एवं आगामी 5 वर्षों में सागर के छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सके।

सार समाचार

कार्तिक पूर्णिमा आज एक महीने की तपस्या पूर्ण

नौगाँव, देशबन्धु। भारत बर्ष में सनातन रीति रिवाज में सेकड़ो बर्षो से चली आ रही परम्परा कार्तिक स्नान पूरे देश मे महलाये नहाती है

एक महीने कठिन ब्रत तपस्या करती है सुबह चार बजे से उठकर घर का कामकाज निपटा समूहों में स्नान कर मन्दिरो में पूजा अर्चना करती है यह कार्य नृत्य का होता है वही दीपावली अमस्या के समय ठाकुर जी की खोज करती है इस सिलसिले में अपनी योजना अनुसार कई गांव ढूढने निकल पड़ती है कुछ गोपिकाएं तीर्थ स्थल मथुरा इत्यादि भी जाती है वही इच्छा नवमी ,नगर भ्रमण होता है इन सब के बाद कार्तिक पूर्णिमा पर महीने भर की तपस्या का हवन पूजन कथा सुनकर किया जाता है इस अवसर पर त्योहार जैसा माहौल होता है कार्तिक नहाने वाली महिलाये उनके परिवार अपने रिस्तेदारो नजदीकी लोगो को बुलाकर भोजन करवाते है सभी तरफ उल्लास भरा वातावर्ण होता है वही मान्यता है दूसरे दिन अपने मान्य को भोजन कराकर ब्रत तोड़ा जाता है इसी के साथ एक महीने का उपवास ब्रत पूर्ण होता है।

पांचवी मंजिल के निर्माण में देरी पर ठेकेदार को थमाया नोटिस

छतरपुर, देशबन्धु। जिला अस्पताल की पांचवीं मंजिल का निर्माण कार्य तीन महीने से धीमी गति से होने के कारण सिविल सर्जन ने काम में देरी और घटिया सामान के उपयोग को लेकर ठेकेदार को नोटिस थमाया है। जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल की पांचवीं मंजिल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। तीन माह बीतने के बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। यहां एसएनसीयू वार्ड और डीईआईसी वार्ड बनाया जा रहा है। इस काम में देरी होने के कारण निर्माण ऐजेंसी के इंजीनियर अंशुल खरे को सिविल सर्जन ने नोटिस देकर जवाब मांगा है।

हर चौराहे पर चल रही वाहनों की सख्त चैकिंग

छतरपुर, देशबन्धु। इन दिनों छतरपुर शहर में हर चौराहे और प्रमुख सडकों पर वाहनों की चैकिंग का अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस बिना हैल्मेट लगाये दो पहिया वाहन चलाने और बिना सीट बैल्ट बांधे चार पहिया वाहन चलाने वालों की चैकिंग करके चालान कर रही है। इस चैकिंग से यातायात के नियमों का उल्लंघन करके वाहन चलाने वालों में हडकंप मचा है। यहां ये बात भी खास है कि कई पुलिस कर्मचारी बिना हैल्मेट लगाये दो पहिया वाहन को दौडाते देखे जाते हैं उन्हें स्टाफ के नाम पर बख्श दिया जाता है। इतना ही नहीं चैकिंग करने वाले कई पुलिस आरक्षक खुद बिना हैल्मेट लगाये वाहन से आकर चैकिंग करते हैं, इसे लेकर लोग आपत्ति जताते हुये कह रहे हैं कि क्या नियम केवल आमजन के लिये ही हैं।

प्रशासन की अनदेखी से मनचाहे तरीके से लग रही दुकानें, कहीं भी खडे हो रहे वाहन

सड़कों पर अतिक्रमण, गलत पार्किंग से चलना मुश्किल

छतरपुर, देशबन्धु। शहर से गुजरने वाले दो नेशनल हाइवे और बाजार की सड़कें अतिक्रमण व वाहनों की गलत पार्किंग से संकरी हो जाने से इन पर चलना मुश्किल हो गया है। सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराके आवागमन सुगम बनाने के लिए प्रशासन की भूमिका केवल बैठकों और कागजी कार्रवाई तक सीमित है।

छतरपुर शहर से होकर रीवा ग्वालियर और सागर कानपुर हाईवे गुजरे हैं। इन दौनों हाइवे पर पूरे दिन भारी वाहनों का दवाब बना रहता है। ये दोनों हाईवे महोबा रोड व नौगांव रोड से जवाहर मार्ग को जोड़ते हैं। इस मार्ग के दौनों ओर घरों और दुकानों के आगे बेतहाशा अतिक्रमण है। इसी तरह एक तरफ सागर रोड और दूसरी तरफ पन्ना रोड पर लोगों ने दुकानों के आगे हाईवे तक सामान फैलाकर अतिक्रमण जमा लिया है। रही सही कसर वाहनों की बेतरतीब पार्किंग ने पूरी कर दी है।

संकरे हाइवे व अन्य सड़कों से होकर बड़े वाहनों की बात तो दूर स्कूटी और बाईक भी आसानी से नहीं निकल पाती हैं। सड़कों पर अतिक्रमण और जाम की समस्या से आमजन और व्यापारी दोनों परेशान हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब भी यहां अतिक्रमण हटाने की मुहिम शुरू की जाती है तो व्यापारी एकजुट होकर विरोध करके मुहिम को बंद करा देते हैं। लोगों का कहना है अतिक्रमण से लोगों की परेशानी के बारे में न नगर पालिका को चिंता है, न यातायात पुलिस ध्यान देती है। न ही अधिकारी नगर को व्यविस्थत बनाने के बारे में सोच पाए हैं।

सड़कों पर खड़े वाहन बढ़ा रहे समस्या

शहर के हाइवे से लेकर अन्य सार्वजनिक स्थानों पर वाहनों की बेतरतीब पार्किंग आवागमन के लिए सबसे बड़ी बाधा बन गई है। छत्रसाल चौराहे के पास जिला चिकित्सालय के आगे हाईवे पर कई निजी एम्बुलेंस खड़ी रहती हैं। छत्रसाल चौराहे पर हाऊसिंग बोर्ड की बिल्डिंग में खुले जांच केन्द्रों के सामने सुबह दस बजे से रात करीब नौ बजे तक बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े कर दिए जाते हैं। जिससे यहां हाईवे से गुजरने वाले वाहनों और राहगीरों को परेशानी होती है। हाईवे पर स्थित एसबीआई मेन ब्रांच, एडीबी शाखा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसी बैंक और एक्सिस बैंक में आने वाले लोग बैंक के आगे वाहनों को गलत तरीके से खड़ा करके बैंक के अंदर चले जाते हैं। इन वाहनों के बीच में खानपान के कई हाथठेले भी खड़े रहते हैं। जिससे सड़क और संकरी हो जाती है। यहां बता दें कि पार्किंग की व्यवस्था बनाने के लिए प्रशासन ने कई बार योजना बनाकर स्थान तक चिह्नित कर लिए, मगर कार्यवाही इसके आगे नहीं बढ़ सकी।

बाजार में पैदल चलना मुश्किल

छत्रसाल चौराहा से महल तिराहा, सिटी कोतवाली, गांधी चौक, हटवारा, मऊदरवाजा होते हुए फुब्बारा चौक तक पूरे बाजार क्षेत्र में दुकानों के आगे सामान शो केस रखकर रास्ते को इस तरह कब्जाया गया है कि लोगों का पैदल चलना ही मुश्किल हो गया है। रही सही कसर बाजार में दोनों ओर से आने वाली कारों और टैक्सियों ने पूरी कर दी है। रामचरित मानस मैदान के सामने रास्ते पर माल उतारने के लिए दिन में प्रवेश करने वाले ट्रकों के कारण रास्ता जाम रहता है। बाजार में स्थित बजरिया में तो दुकानों पर दोनों ओर तीन तीन फुट तक अतिक्रमण कर लिया है। बीच में दो पहिया वाहन भी खड़े कर देने से यहां आने वाली महिलाओं को निकलने में परेशानी होती है। बाजार के रास्तों पर सुबह से शाम तक दिन में कई बार जाम लग जाने से लोग जाम में फंसकर परेशान होते रहते हैं।

इनका कहना है

हाइवे पर अतिक्रमण और वाहनों की गलत तरीके से पार्किंग के कारण जहां आवागमन में परेषानी होती है। वहीं अकसर सडक हादसे भी होते रहते हैं। आने वाले दिनों में यह समस्या और भी ज्यादा होने वाली है। जरूरी है कि प्रशासन सही तरीके से कार्ययोजना बनाकर इस दिशा में कार्य करे तो समस्या का समाधान संभव है।

अशोक त्रिवेदी व्यापारी, छतरपुर

हाइवे और बाजार क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के लिये अधिकारी बैठकों में कार्ययोजना तो कई बार बना चुके हैं पर उस पर सही तरीके से अमल आज तक नहीं हो पाया है। जिससे यह समस्या दिनों दिन और विकराल होती जा रही है। नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस तीनों जब तक संयुक्त रूप से कार्यवाही नहीं करेंगे तब तक समस्या का स्थाई हल नहीं निकल सकता है।

आनंद शुक्ला व्यवसाई, छतरपुर

सचिव पर हमले के बाद फरार इनामी सरपंच चला रहा पंचायत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के बक्सवाहा जनपद की चचीसेमरा ग्राम पंचायत का सरपंच मलखान लोधी फरार रहकर भी पंचायत चला रहा है। वह पंचायत के रोजगार सहायक पर जानलेवा हमले के बाद से फरार है। उस पर 3 हजार रुपये का इनाम भी घोषित है।

चचीसेमरा पंचायत के रोजगार सहायक पर हमले के आरोप में बीते 9 माह से सरपंच फरार है। जिसके विरूद्ध बक्सवाहा थाने में धारा 307, एसएसटी एक्ट के अलावा अन्य धाराओं में मामला दर्ज है। हाल ही में पुलिस अधीक्षक छतरपुर के द्वारा उक्त मामले में फरार सरपंच सहित अन्य आरोपियों के ऊपर 3-3 हजार का इनाम भी घोषित किया है।

पुलिस के रजिस्ट्ररों में सरपंच भले ही फरार हो लेकिन पंचायत ग्रामीण विभाग के अफसरों की सांठगांठ के चलते पंचायत के सभी कार्यों में हस्तक्षेप कर रहा है, पंचायत के खाते से रुपये निकाल रहा है। अधिकारियों को इस मामले की जानकारी होने के बाद भी सरपंच पर कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है।

इसका फायदा उठाकर सरपंच अपने रसूख के दम पर क्षेत्र में ही रहकर पंचायत की हर गतिविधि में शामिल हो रहा है। यहां बता दें कि पंचायत के निर्माण कार्यों के भुगतान सरपंच व सचिव के द्वारा संयुक्त रूप से ही किए जाते है, जो बराबर हो रहे हैं।

गांव में सरपंच की मौजूदगी के बारे में सभी जानते हैं। मगर पुलिस अनजान बनी बैठी है। पुलिस ने बताया इस मामले में चार आरोपियों पर आईपीसी की धारा 341, 294, 323, 307, 506/34 के अलावा एससी/एसटी एक्ट और आर्म्स एक्ट की धारा 25/27 के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपी को जल्दी पकड़ा जाएगा।

क्या है पूरा मामला

बक्सवाहा थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत चचीसेमरा के सरपंच और उनके साथियों ने सहायक सचिव यानी ग्राम रोजगार सहायक बाबूलाल आदिवासी को पहले लाठी और डंडों से पीटा, उसके बाद उसे गोली मारकर सभी आरोपी भाग निकले थे। पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर में उल्लेख था कि गांव के चार लोगों ने पुराने विवाद के चलते रोजगार सहायक बाबूलाल पटेलिया (आदिवासी) पर रात में गोली चला दी थी। जिससे गोली बाबूलाल के दाहिने पैर में लग गई थी। घटना के बाद घायल रोजगार सहायक बाबूलाल को बक्सवाहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया प्राथमिक उपचार के बाद उस दमोह जिला अस्पताल रेफर किया गया था। इस घटना को देखते हुए सचिव एवं सहायक सचिव संघ ने आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी।

इनका कहना है

यह विषय मेरे संज्ञान में नहीं था, मैं जनपद सीईओ से उक्त मामले की जानकारी लेकर शीघ्र ही जांच उपरांत कार्यवाही करवाता हूं।

विजय द्विवेदी
अनुविभागीय
अधिकारी, बिजावर

एसपी ने दिए अपराध नियंत्रण और सतर्कता से चुनाव ड्यूटी करने के निर्देश

छतरपुर, देशबन्धु। पुलिस कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी द्वारा अपराधों की समीक्षा करते हुए जिले के समस्त थाना प्रभारी को लंबित गंभीर अपराध, लंबित चालान, लंबित शिकायतों के निराकरण करने पर जोर दिया। इसके अलावा गुमशुदा एवं अपहृतों की शीघ्र दस्तयाबी, इनामी बदमाश, गिरफ्तार वारंटी, स्थाई वारंटीयों का पता लगाकर शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए हैं।

विधानसभा निर्वाचन की मतगणना शांतिपूर्ण करवाने, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों के साथ समन्वय से काम करने के निर्देश दिए हैं। यातायात के विशेष अभियान को लेकर एसपी ने कहा कि जिले के सभी थाना क्षेत्र के अंतर्गत प्रथक प्रथक चेकिंग पॉइंट पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक अमन मिश्रा, एसडीओपी नौगांव चंचलेश मरकाम, एसडीओपी बिजावर शशांक जैन, एसडीओपी लवकुश नगर नवीन दुबे, एसडीओपी बड़ामलहरा वीरेंद्र बहादुर सिंह, रक्षित निरीक्षक पूर्णिमा मिश्रा सहित जिले के सभी थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

खजुराहो से कुरुक्षेत्र जाने वाली ट्रेन पर पथराव से मां बेटा घायल

छतरपुर, देशबन्धु। शनिवार की देर शाम खजुराहो से चलकर कुरूक्षेत्र की ओर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन पर ईशानगर रेलवे स्टेशन पर पथराव कर दिया गया। पत्थर लगने से दिल्ली की ओर जा रही एक महिला और उसका बेटा घायल हो गया है।

जानकारी के अनुसार खजुराहो कुरूक्षेत्र एक्सप्रेस ट्रेन जैसे ही ईशानगर प्लेटफार्म पर पहुंची तो प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों में ट्रेन के अंदर धुसने की होड मच गई। मगर अंदर से किसी ने बोगी के गेट नहीं खोले। बाहर खडे यात्री बोगी के गेट खुलवाने का प्रयास करते रहे पर सफलता नहीं मिली, इसके बाद भीड हंगामे पर उतर आई। इसी दौरान किसी यात्री ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। एक बोगी की खिडकी खुली होने से वहां बैठी श्रीदेवी अहिरवार और उसका दस साल का बेटा पत्थर लगने से घायल हो गये। ये लोग दिल्ली की ओर जा रहे थे। ईशानगर स्टेशन मास्टर आशीष यादव ने बताया खजुराहो कुरुक्षेत्र एक्सप्रेस ट्रेन का ईशानगर स्टेशन पर दो मिनट का स्टापेज है। मगर यात्रियों के कहने पर यहां ट्रेन को पाच मिनट तक रोका गया था। इस दौरान अंदर से किसी ने बोगी के गेट नहीं खोले, इसी बीच किसी ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। इस बारे में आला अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है। स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के लिये भी बोला जायेगा।

नगरपालिका की लाखों की लागत से बनी सब्जी मंडी में ढोलक निर्माण

नौगाँव, देशबंधु। नगर विकास सस्था का कार्य बिकास को रफ्तार देना होता है और हुआ भी यही उसी कड़ी में नगर के मध्य एक वयवस्थित सब्जी मंडी बनायी गई थी उद्देश्य साफ था सब्जी विक्रेता एक हद में सब्जी बाजार के अंदर ब्यापार सुनिश्चित करे मगर देखा जाए तो आज के समय सब्जी मंडी कृषि उपज मंडी के पुराने प्रांगण में लग रही है जिस पर मंडी बिभाग को भी आपत्ति हो सकती है क्योंकि जगह मंडी समिति की शुल्क बसूली नगरपालिका की जगह मालिक फ्री में बदनाम हो सकता है कृषि उपज मंडी पर सवाल खड़े होंगे।

वही देखा जाये तो जो सब्जी मंडी नगर को स्वच्छ और भीड़ से बचाने का तरीका था और एक जगह सुनिश्चित थी कि जो खरीदना वह एक जगह उपलब्ध होगा हाथ ठेला हर चोराहे पर सब्जी की दुकान रोड जाम और अतिक्रमण को बढ़ावा दे रहा है परिवहन ,पैदल, दो पहिया वाहन का आज क्यो रास्ते से निकलना मुश्किल है क्योंकि नगरपालिका अपनी जिम्मेदारी नही निभाती जगह2 हाथ ठेला बाजारों चौराहो पर पैदल चलने वालों को भी परेशान कर रहे जिन्हें सब्जी मंडी में होना चाहिए वह रोडो पर और जिन्हें सब्जी मंडी में जगह नही मिलनी चाहिये वह पूरे टोले के साथ बनाई गई सब्जी मंडी पर काबिज है और वहां पर ढोलक निर्माण कर रहे है इनका पूरा कब्जा है यह बंजारे कहा से आये किसी को जानकारी नही है इन्होंने नगरपालिका से मंजूरी ली नही है फिर भी काबिज है।

ग्राम ढिलापुर में मोटर पार्टस की 2 दुकानें जलकर खाक

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर शहर के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ढिलापुर में बीती रात मोटर पार्टस की दो दुकानों में अचानक आग लग गई। इस आगजनी में दिनों दुकानों में रखा लाखों रूपये कीमती मोटर पार्टस का सामान जलकर खाक हो गया है।

जनकारी के अनुसार ढिलापुर निवासी प्रकाश कुशवाहा और यूनुस खान की मोटर पार्टस की दुकानें मुख्य मार्ग के पास आजू बाजू हैं। वे दौनों रोज की तरह शनिवार की रात दुकानें बंद करके अपने घर चले गये थे। रात में उन्हें सूचना मिली की उनकी दुकानों में आग लगी हुई है। खबर मिलते ही वे परिवार के लोगों के साथ दौडकर दुकानों के पास पहुंचे। वहां दुकानों से निकलती आग की लपटों को देखकर उनके होश उड गये। उन्होंने गांव के लोगों के साथ मिलकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया पर हवा के साथ आग और विकराल हो गई। बाद में सूचना मिलने पर छतरपुर से पहुंची फायर ब्रिगेड ने बडी मुशिकल से आग पर काबू पाया। प्रकाश ने बताया कि उसकी दुकान में रखा करीब चार लाख रूपये का सामान आग में जल गया है। यूनुस के अनुसार उसकी दुकान में डेढ लाख रूपये का मोटर पार्टस का सामान रखा था जी जल गया है। इस आगजनी से दौनों युवकों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। आग कैसे लगी अभी इसका पता नहीं चल सका है।

अस्पताल में रात को इमरजेंसी ड्यूटी में नहीं मिलते डाक्टर

छतरपुर, देशबन्धु। जिला मुख्यालय से करीब 80 किमी दूर सिथत बारीगढ़ स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्थओं का आलम है। अस्पताल में आने वाले मरीजो को न यहां इलाज नहीं मिलता है। कागजो पर यहां तीन डॉक्टर पदस्थ है, मगर रात में इमरजेंसी डयूटी में कोई डॉक्टर नहीं मिलता है। वे न तो समय से अस्पताल आते हैं, न मरीज देखते है। बिना डयूटी किये पूरा वेतन जरूर ले रहे हैं। अस्पताल में इलाज न मिलने से मरीज मजबूरी में झोलेच्छप डॉक्टरों से इलाज कराने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि यहां पदस्थ डाक्टरों का रवैया मनमाना है। उनका जब मन करता है तो अस्पताल आते हैं और जब मन करता है तो घर चले जाते हैं। अधिकांश दिन तो वे अस्पताल आते ही नहीं हैं यहां बता दें कि हाल ही में डॉ रुचि पटेरिया ने पदभार संभाल है मगर अगले दिन ही वे चली गईं। तब से अब तक अस्पताल नहीं आई हैं।

गणना पर्यवेक्षक, सहायक, माइक्रो आब्जर्वर और एआरओ को दिया मतगणना का प्रशिक्षण

मतगणना के दौरान मोबाइल फोन, इलैक्ट्रानिक डिवाइस, धूम्रपान रहेगा प्रतिबंधित

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में विधानसभा चुनाव के मतों की गणना के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। गणना पर्यवेक्षक, सहायक, माइक्रो आब्जर्वर और एआरओ को यह प्रशिक्षण विधानसभा स्तर और राज्य स्तर के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया गया है।

दो पारियों में दिये गये इस प्रशिक्षण में सभ को मतगणना करने का तरीका बताया गया। मतगणना के दौरान मोबाइल फोन, इलैक्ट्रानिक डिवाइस और धूम्रपान पूरी तरह से प्रतिबंधित रहने की जानकारी दी गई। मतगणना से जुडी उपयोगी जानकारी देकर डाकमत्रों की गिनती, ईव्हीएम से मतों की गणना और वीवीपैट पर्चियों के मिलान के बारे में जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जीआर ने कहा सभी कर्मचारी और अधिकारी जिन्हें मतगणना की जिम्मेदारी दी गई है वे प्रशिक्षण की बारीकियों को गहराई से समझें। नियमों को ध्यान में

रखकर मतगणना करायें। उन्होंने मतगणना में लगाये गये सभी सरकारी सेवकों से फीडबैक लिया और उससे संबंधित सवाल पूंछे। उन्होंने कहा कि मतगणना दिवस 3 दिसंबर को सुबह 6 बजे से मतगणना स्थल पर पहुंचें। मतगणना सुबह आठ बजे से आरंभ हो जायेगी।

प्रशिक्षण से गायब होकर वृंदावन घूमने गये साहब

जिस समय मतगणना के बारे में सरकारी सेवकों को प्रषिक्षण दिया जा रहा था उस समय जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश का उल्लंघन करके उद्योग विभाग के सहायक प्रबंधक राकेश कुमार नायक प्रषिक्षण से गायब रहे। सूत्रों के अनुसार श्री नायक ने कागजों पर फर्जी तरीके से मतगणना प्रसहीक्षण में अपनी उपस्थिति दर्शा दी, मगर सच्चाई ये है कि वे उस समय वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन कर रहे थे। इस बात का खुलासा होने पर अब ये मामला तूल पकडने लगा है।

जिला पंचायत सीईओ और नोडल अधिकारी तपस्या सिंह परिहार का कहना है कि उन्होंने किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को इस तरह की कोई लिखित या मौखिक अनुमति नहीं दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुये जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जीआर ने इस मामले की जांच कराके नियमानुसार कार्यवाही के लिये एडीएम को निर्देशित किया है। एडीएम नम:शिवाय अरजरिया का कहना है यदि ऐसा है तो ये कदाचरण की श्रेणी मे आता है। इस मामले की जांच कराई जायेगी, यदि सहायक प्रबंधक दोषी पाये जाते हैं तो उनके कार्यवाही की जायेगी।

सागर, सोमवार 27 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

सुरंग में जीवन, तो आस्मां में छवि की तलाश

ऐसे वक्त में जब उत्तरकाशी स्थित सिल्क्यारा की धसकी हुई सुरंग में 14 दिनों से 41 मजदूर फंसे पड़े हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गगन में लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भर रहे हैं। पिछले करीब एक हफ्ते से लग रहा था कि अंधेरी सुरंग में मजदूर कभी भी बाहर आ सकते हैं, लेकिन हर गुजरता दिन बेनतीजा साबित हो रहा है। इन सबसे बेपरवाह मोदी के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। एक राज्य से निकलकर दूसरे राज्य में चुनावी रैलियों को सम्बोधित करते हुए राजस्थान में गुरुवार की शाम को प्रचार अभियान थमने के तुरन्त बाद मोदी मथुरा पहुंचे जहां उन्होंने ब्रज रज उत्सव के नाम से आयोजित मीरा जन्मोत्सव में हिस्सा लिया। फिर वे शुक्रवार की अल्लसुबह कृष्णजन्मभूमि में उस स्थान पर भगवा वस्त्र धारण कर पहुंचे जहां श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। शनिवार को सुरंग में बचाव अभियान इसलिये रुक गया क्योंकि ड्रिलिंग के दौरान ऑगर मशीन की ब्लेड सरियों से टकराकर टूट गई। अब मलबे को हाथ से हटाये जाने की तैयारी है और मजदूरों को बाहर का सूरज देखने के लिये अभी इंतज़ार करना पड़ सकता है।

यह विडंबना ही है कि बचाव अभियान की समीक्षा करने या मजदूरों की खोज-खबर लेने या फिर इस बाबत कोई बात करने की बजाये पीएम की वरीयता लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भरने की है। वैसे मोदी नामक फिनोमिना में यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं रह गयी है क्योंकि देश उन्हें पिछले तकरीबन साढ़े नौ वर्षों से यही सब करता हुआ देख रहा है। उनके इस कार्यकाल में अनगिनत घटनाएं ऐसी हुई हैं जिनमें प्रधानमंत्री उन्हें नज़रंदाज़ कर या आवश्यक कार्रवाई न कर गैरजरूरी काम करते हुए दिखे हैं। छोटी-मोटी घटनाओं को एक तरफ कर दें तो 20 जवानों को लील लेने वाले पुलवामा में सीआरपीएफ की टुकड़ी पर आतंकी हमला होने के बावजूद मोदी वन्य जीवन पर शूटिंग करने में व्यस्त थे। जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कई बार उनसे बात करने की कोशिश की लेकिन वे संचार प्रणाली की पहुंच से बाहर थे। शाम को जब उनसे बात हुई भी तो मोदी ने उनसे चुप रहने के लिये कहा। मणिपुर में उन्हें जाने का कभी भी समय नहीं मिला जो हिंदू मैतेई एवं ईसाई कुकी सम्प्रदायों के परस्पर टकराव से जल रहा है। लगभग आठ महीनों में वहां अनेक हत्याएं हुई हैं। अब भी जारी हैं। हजारों मकान जल गये हैं, बड़ी तादाद में लोग शरणार्थी शिविरों में बसर कर रहे हैं। तो भी वहां जाना तो दूर की बात है, मोदी ने इस बाबत मुंह से तब तक एक शब्द भी नहीं निकाला जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को यह चेतावनी नहीं दे दी कि अगर वह कुछ नहीं करती तो शीर्ष न्यायालय ही कोई कदम उठायेगा।

जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें प्रचार के दौरान मोदी ने मुद्दों पर कम बात की और विरोधी दलों के नेताओं पर व्यक्तिगत हमले और उनकी छवि को धूमिल करने के ही अधिक प्रयास किये। मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं- सोनिया-राहुल-प्रियंका गांधी तथा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर मोदी अपने खास सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं स्टार प्रचारकों के साथ विशेष आक्रामक रहे हैं। उनकी छवि पर बड़े हमलों का कारण यह भी है कि मोदी की अपनी छवि लगातार दरक रही है। सिलसिलेवार प्रशासनिक असफलताओं के कारण अब उनकी योग्यता पर सवाल उठने लगे हैं। इनके चलते, प्रमुख प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, जहां मतदान हो चुका है उन सभी में भाजपा की पराजयों के अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं। तीनों राज्यों में स्थानीय नेतृत्व को दरकिनार कर दिया गया है और चुनाव मोदी के चेहरे पर ही लड़ा गया है। ऐसे में आने वाले समय में मोदी की छवि के पूर्णत: ध्वस्त होने की भी पूरी सम्भावना बताई जा रही है।

इन तमाम परिस्थितियों में मोदी को अपनी छवि को दुरुस्त करने और नये सिरे से निखारने की ज़रूरत है। तेजस के कॉकपिट में बैठकर शून्य में मोदी न जाने किसे हाथ लहरा रहे हैं, लेकिन यह बात तो साफ है कि वे अपनी छवि को नयी ऊंचाइयां देने के लिये संघर्षरत हैं जिसे उन्हें अगले वर्ष के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों तक संजोकर रखना होगा। ऐसा न होने पर चुनाव जीतने की बात तो दूर है, उनकी दावेदारी तक को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

इसलिये मोदी को क्रिकेट विश्व कप का अंतिम मुकाबला उन्हीं के नाम पर बने अहमदाबाद के स्टेडियम में कराना पड़ता है जबकि ऐसे आयोजनों के लिये मुम्बई का वानखेड़े या कोलकाता का ईडन गार्डन स्टेडियम अपनी ऐतिहासिकता और खेल सन्दर्भों के कारण कहीं अधिक मुफ़ीद माना जाता है। जैसा कि अब खुलासा हुआ है, विश्व कप जीतने पर ट्रॉफी के साथ मोदी की राजस्थान में भव्य यात्रा निकालने की योजना थी ताकि उसका सियासी लाभ लिया जा सके, लेकिन जिस जीत का श्रेय वे लेना चाहते थे, वह मुकाबला भारत हार गया और वे जनता से मिले नये नाम 'पनौती' को खुद पर चस्पां कर स्टेडियम से बाहर निकले। उनका गुस्सा निर्वाचन आयोग के जरिये राहुल को जारी नोटिस से निकला। बहरहाल, तेलंगाना को छोड़कर, जहां प्रचार मंगलवार को थम जायेगा, सभी जगहों पर (उपरोक्त के अलावा मिजोरम भी) मतदान हो गया है। इसके मद्देनज़र मोदी के पास एक और डबल इंजिन वाले राज्य उत्तराखंड की सुरंग में फंसी 41 ज़िंदगियों के लिये चिंता करने का समय नहीं है। उन्हें आकाश में उड़ान भरकर पहले अपनी छवि को गगनचुंबी बनाना है।

ये विधानसभा फैसला करेंगी कि 2024 किसका होगा

अब कांग्रेस के वापस इंडिया में समाहित होने का समय है। चार राज्यों के चुनाव हो गए हैं। पांचवे तेलंगाना के 30 नवंबर को हो जाएंगे। पांचों राज्यों में कांग्रेस मुख्य रोल में थी। भाजपा केवल तीन राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में थी। बाकी मिजोरम में भाजपा जो अभी सरकार में है वह खत्म हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो सब जगह चुनाव में जाते हैं, स्थानीय निकायों तक के, वे मिजोरम गए ही नहीं। साढ़े 9 साल में यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री किसी राज्य के चुनाव में नहीं गए।

कारण बहुत स्पष्ट मणिपुर था जो करीब 7 महीने से गृह युद्ध की आग में जल रहा है। 200 के करीब लोग मारे जा चुके हैं। जिनमें सेना और सुरक्षा बल के लोग भी शामिल हैं। विपक्ष के नेता राहुल वहां हो आए हैं। मगर प्रधानमंत्री वहां गए ही नहीं। नाराजगी और गुस्सा सिर्फ वहां के लोगों में ही नहीं है मणिपुर के आसपास के इलाकों में भी है।

उसी मणिपुर से मिजोरम की सीमा लगी हुई है। भारी हिंसा के बाद लोग मणिपुर से पलायन करके मिजोरम पहुंचे थे। अभी भी हजारों लोग वहां शरणार्थी की तरह रह रहे हैं। प्रधानमंत्री के मणिपुर न जाने और हिंसा रोकने के कोई गंभीर प्रयास नहीं करने, राज्य सरकार जो पूरी तरह फेल हो गई है उसे बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन तक न लगाने से पड़ोसी मिजोरम में इतना आक्रोश है कि वहां के मुख्यमंत्री जोरमथांगा जो वहां भाजपा के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं, को यहां तक कहना पड़ा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी आए तो वे उनके साथ मंच शेयर नहीं करेंगे। आज तक किसी प्रधानमंत्री के लिए यह नहीं कहा गया है।

मगर गोदी मीडिया यह नहीं चलाएगा। वह पूरी ताकत से हाई लाइट करेगा कि मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जो फाइटर प्लेन में उड़े। कुछ टीवी चैनलों ने तो यहां तक चलाया कि मोदी ने फाइटर प्लेन उड़ाया!

जनता को बिल्कुल ही बेवकूफ समझ रखा है। बिना सीखे तो कोई साइकल नहीं चला सकता। मगर मोदी जी ने फाइटर प्लेन उड़ाया! और दूसरी बात इनसे पहले कोई प्रधानमंत्री इसमें नहीं उड़ा! मतलब कोई और अगर उड़ना चाहता तो एयर फोर्स मना कर देती!

हद है! प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे किसी व्यक्ति की क्या यह ख्वाहिश हो सकती है कि वह फाइटर प्लेन में घूमे? प्रधानमंत्री के लिए करने को बहुत काम होते हैं। केवल नेहरू पर दोष मढ़ने और जहाजों में घूमने का ही काम नहीं होता है। बल्कि यह भी देखने का होता है कि हमारे 41 मजदूर दो हफ्ते से ज्यादा समय से सुरंग में किस तरह फंसे हुए हैं।

जिस समय प्रधानमंत्री तेजस, जिसे बनाया भी कांग्रेस के समय ही गया था, में बैठने से पहले फोटो खिंचवा रहे थे उस समय उत्तराखंड से सबसे खराब खबर आ रही थी कि मजदूरों को निकालने वाली मशीन टूट गई

शकील अख्तर

अगर इन विधानसभा चुनावों में भाजपा जीत गई तो राज्यों से भाजपा का नेतृत्व पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। जैसे पहले महाराष्ट्र में फड़नवीस और हरियाणा में खट्टर को लाकर बिठा दिया वैसे ही वे राज्यों में किसी को मुख्यमंत्री बना देंगे। पार्टी में अभी भी है मगर फिर पूरी तरह मोदी मोदी ही हो जाएगा। जो कभी मध्य प्रदेश में शिवराज या राजस्थान में वसुंधरा नाम सुनने को मिलता था वह खत्म हो जाएगा।

है। जिस विदेशी मशीन से उम्मीद बंधी थी वह अब काम नहीं कर सकेगी।

मगर इन सबसे बेपरवाह प्रधानमंत्री अलग- अलग मुद्राओं में तेजस के साथ फोटो बनवा रहे थे और टीवी में इस तरह बता रहा था कि जैसे सिर्फ तेजस ही नहीं उसे बनाने वाली हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) भी 2014 के बाद ही बनी है। कांग्रेस के समय में बनाए गए एचएएल का कोई जिक्र नहीं।

लगता है जैसे प्रधानमंत्री इन सब चीजों से बहुत ऊपर उठ गए हैं। मणिपुर की हिंसा पर कोई बयान नहीं। दिल्ली और एनसीआर में इतना जबर्दस्त वायु प्रदूषण फैल रहा है उस पर एक मीटिंग नहीं। यह दिल्ली और एनसीआर से आगे जाकर कई राज्यों में अपना असर दिखा रहा है क्या बिना केन्द्र सरकार के हस्तक्षेप के इस समस्या का कोई समाधान संभव है? मगर प्रधानमंत्री मौन! वैसे ही जैसे चीन की घुसपैठ पर हैं। वह तो अच्छा है मामला केन्द्र सरकार पर नहीं आ रहा। मीडिया पूरा दोष दिल्ली सरकार पर रख रहा है कि उसी की गलती है नहीं तो प्रधानमंत्री जी को चीन के मामले की तरह यहां भी यह कहना पड़ता कि कोई प्रदूषण नहीं है। न कोई जहरीली हवा आई है, न है।

और सबसे गजब तो जनता की तंद्रा है। वह साढ़े 9 साल से ऐसे सोई हुई है कि उसे किसी चीज से कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा। नौकरी नहीं है, महंगाई दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री राजस्थान में जाकर कह रहे हैं कि 450 का सिलेंडर देंगे। अरे भाई जब वहां दे सकते हो तो पूरे देश में एक हजार से ऊपर का क्यों? सब जगह साढ़े चार सौ का दीजिए ना! मगर कोई पूछने वाला नहीं। प्रधानमंत्री के जो मन में आता है बोलते हैं और जो नहीं बोलना होता, जनता के मतलब की बात होती है वह नहीं बोलते। मंगलयान से मंगल ग्रह पर अपना फोटो पहुंचा देते हैं। और देश में ही मणिपुर, मिजोरम नहीं जाते।

यह पांच राज्यों के चुनाव इस बात का भी फैसला करेंगे कि क्या मोदी का यह मेरी मर्जी का एटिट्यूट जारी रहेगा या उन्हें जवाबदेह बनना होगा। जवाबदेह जनता के प्रति, मगर साथ में अपनी पार्टी के प्रति भी। अभी मोदी जी किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं हैं। संसद के प्रति भी नहीं। वहां सदन में बैठते ही नहीं हैं। विपक्ष का तो रोज, नए-नए नाम झूठों का सरदार, घमंडिया और भी बहुत सारे रखकर, मजाक उड़ाते रहते हैं उसे जवाब देने का तो सवाल ही नहीं। जनता को हिन्दू-मुसलमान के नशे में ऐसा बेसुध कर रखा है कि वह अपने बच्चों का भविष्य तक भूल गई है और अपनी पार्टी भाजपा के नेताओं को तो उन्होंने इन विधानसभा चुनावों में बता ही दिया कि वे राज्यों के चुनाव भी बिना राज्यों के नेताओं को साथ लिए लड़ सकने का दम दिखा सकते हैं। अब परिणाम जो भी हो उन्होंने राजस्थान में वसुंधरा राजे को किनारे धकेल कर और मध्य प्रदेश में तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम तक न लेकर यह चुनाव लड़ लिया।

अब अगर इन विधानसभा चुनावों में भाजपा जीत गई तो राज्यों से भाजपा का नेतृत्व पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। जैसे पहले महाराष्ट्र में फड़नवीस और हरियाणा में खट्टर को लाकर बिठा दिया वैसे ही वे राज्यों में किसी को मुख्यमंत्री बना देंगे। पार्टी में अभी भी है मगर फिर पूरी तरह मोदी मोदी ही हो जाएगा। जो कभी मध्य प्रदेश में शिवराज या राजस्थान में वसुंधरा नाम सुनने को मिलता था वह खत्म हो जाएगा। लेकिन अगर मोदी जी हार गए तो फिर 2024 उनके लिए बहुत मुश्किल हो जाएगा। अभी यह पांच राज्यों में कांग्रेस लड़ रही है। और अगर जीत गई तो वह इंडिया हो जाएगी। मतलब फिर 2024 के लिए वह विपक्षी एकता को वापस मजबूत करने में लग जाएगी।

2024 में मोदी से कोई विपक्षी पार्टी अकेले नहीं लड़ सकती। चाहे इन विधानसभाओं में मोदी जो हर राज्य में खुद ही लड़ रहे हैं हार भी जाएं। वह हार कर भी इतने मजबूत रहेंगे कि अकेले कांग्रेस या यूपी में सपा या बंगाल में तृणमूल या दिल्ली में केजरीवाल कोई सोचे कि वह हरा देगा तो आसान नहीं है। लेकिन अगर सब मिलकर इंडिया बन कर लड़े तो फिर मोदी जी के लिए 2024 आसान नहीं होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

तेलंगाना में कांग्रेस आगे बढ़ी है, लेकिन बीआरएस के मुकाबले और मेहनत जरूरी

■ सुशील कुट्टी

बीआरएस को हराने के लिए लोग तैयार' जैसी सुर्खियां पूरी सच्चाई सामने नहीं लातीं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ मीडिया में एक कहानी चल रही है। यदि मीडिया की भविष्यवाणियों पर भरोसा किया जाये तो लगता है कि बीआरएस बुरी स्थिति में है। तेलंगाना के अंदर और बाहर से हर कोई भविष्यवाणी कर रहा है कि केसीआर जल्द ही पूर्व मुख्यमंत्री हो जायेंगे क्योंकि बीआरएस की सेहत ठीक नहीं है।

उदाहरण के लिए, तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई को तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, लेकिन, काफी अस्वाभाविक रूप से, वह तेलंगाना के लिए कह रहे हैं कि 'आइए बीआरएस को हरायें' क्योंकि केसीआर और उनकी पार्टी बीआरएस चुनाव लड़ने और जीतने के लिए 'ड्रग संस्कृति' और 'शराब संस्कृति' पर भरोसा कर रही है, जो न केवल एक मूर्खतापूर्ण दावा है बल्कि गलत साबित होने के लिए भी अभिशप्त है।

केसीआर की तेलंगाना सरकार की तुलना एमके स्टालिन की तमिलनाडु सरकार से करना एक और अन्नामलाई का अपमान था। पुलिस से नेता बने नेता ने कहा कि केसीआर और स्टालिन एक तरह के दो लोग हैं, जो अपने राज्यों को चलाने के लिए उत्पाद शुल्क आय पर निर्भर हैं। अन्नामलाई ने दावा किया कि तेलंगाना और तमिलनाडु में 80प्रतिशत से अधिक वयस्क पुरुष शराबी हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अन्नामलाई के ऐसे बयानों के आदी हैं, लेकिन केसीआर के लिए यह अप्रत्याशित घटना थी। हां, चुनाव पुराने दुश्मनों को मजबूत करने के साथ-साथ नये दुश्मन भी बना देते हैं। केसीआर के पास इतने पुराने दुश्मन हैं कि उन्हें नये दुश्मन जोड़ने की चिंता नहीं है। केसीआर के पुराने दुश्मनों में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी हैं।

कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी जन्मजात केसीआर-दुश्मन हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी भी केसीआर-मित्र नहीं रहे हैं। केसीआर का दुबला-पतला शरीर इन दो सज्जनों के फ्रेम में फिट नहीं बैठता है। केसीआर की राहुल-विरुद्धता के बारे में सभी जानते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निर्देशित केसीआर की टिप्पणियों ने शीर्ष सुर्खियाँ बटोरी हैं।

ध्यान दें कि तेलंगाना और तमिलनाडु दोनों में वंशवाद है और अन्नामलाई तेलंगाना सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वंशवाद-तख्ते को लागू कर रहे हैं। भाजपा के लिए तेलंगाना में परिवारवाद चुनावी मुद्दा है। तेलंगाना को लक्ष्य करने वाले जनमत सर्वेक्षण लगातार भाजपा को खराब रेटिंग दे रहे हैं, लेकिन भाजपा की बात सुन रहे हैं और पार्टी इस कहावत पर जी रही है कि हर कुत्ते का दिन फिरता है।

'लोग बीआरएस सरकार को हराने के लिए तैयार हैं' अन्नामलाई बोल रहे थे। हर भाजपा नेता की तरह, अन्नामलाई भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने के आदी हैं। और तेलंगाना में भाजपा के लिए भ्रष्टाचार एक और चुनावी मुद्दा है। लेकिन लोगों ने यह पूछना बंद कर दिया है कि केसीआर की बेटी के कविता को आप नेताओं के लिए ईडी-इलाज क्यों नहीं मिल रहा है? इसलिए जब अन्नामलाई कहते हैं, 'यदि आप भाजपा को आशीर्वाद दें, तो हम भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करेंगे', तो इस पर हंसना मुश्किल है।

फिर, अन्नामलाई के तेलंगाना समकक्ष, जी किशन रेड्डी हैं। बीआरएस के खिलाफ 'मूक क्रांति' का उनका दावा मीडिया की कहानी पर फिट बैठता है। लेकिन जब वह 'भाजपा सत्ता में आयेगी' कहकर भ्रमित हो जाते हैं, तो उनका मूड खराब हो जाता है। मीडिया सर्वेक्षण और जनमत सर्वेक्षणों में भाजपा को केवल एक अंक का आंकड़ा दिया गया है, जो कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों से काफी पीछे है। असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम को पांच से छह सीटें मिलेंगी और भाजपा को भी इतनी ही सीटें मिलेंगी- उनमें से एक है 'टाइगर' राजा सिंह की गोशामहल सीट।

यह भाजपा के हितों की भी पूर्ति करता है जब लोगों को बताया जाता है कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों भाजपा को हराने की साजिश में हैं, भले ही जमीनी हकीकत बिल्कुल विपरीत हो। केसीआर की यह टिप्पणी कि 2024 के आम चुनाव के बाद गठबंधन सरकार होगी, भाजपा को रास नहीं आई है। जी किशन रेड्डी का कहना है कि तब तक तो भाजपा तेलंगाना में सत्ता में होगी।

दरअसल, सारी सकारात्मक भावनाएं कांग्रेस के लिए हैं। मीडिया सर्वेक्षणों और जनमत सर्वेक्षणों ने कांग्रेस की कमर कस ली है। जहां एक ओर भाजपा यह बताने में तत्पर है कि लोग बीआरएस प्रचार वाहनों को अपने गांवों में प्रवेश करने से रोक रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के प्रचार वाहनों पर ऐसी कोई रोक नहीं है। भाजपा की आपत्ति यह है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने अपने नागरिकों पर 'तेलंगाना चुनाव टैक्स' लगाया है। फिर चुनाव वाले सभी राज्यों की तरह, भाजपा का चुनावी वादा है-'डबल इंजन की सरकार'।

यह भाजपा के हितों की भी पूर्ति करता है जब लोगों को बताया जाता है कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों भाजपा को हराने की साजिश में हैं, भले ही जमीनी हकीकत बिल्कुल विपरीत हो। केसीआर की यह टिप्पणी कि 2024 के आम चुनाव के बाद गठबंधन सरकार होगी, भाजपा को रास नहीं आई है। जी किशन रेड्डी का कहना है कि तब तक तो भाजपा तेलंगाना में सत्ता में होगी।

हालांकि, वास्तविकता यह है कि कांग्रेस लहर पर सवार है और सुनामी जैसी आशावाद में डूब रही है। बेशक, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की तरह, कांग्रेस 24 घंटे मुफ्त बिजली से लेकर किसानों के कर्ज माफ करने और महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय भुगतान तक की गारंटी के बारे में बात करना बंद नहीं कर सकती। बीआरएस का कहना है कि कांग्रेस का घोषणापत्र 'बेकार और झूठ से भराज्ड है। लब्बोलुआब यह है कि सभी तीन पार्टियां शीर्ष पर होने का दावा कर रही हैं, परन्तु मतदाताओं ने अपना मन बना लिया है कि उन्हें क्या करना है, जिसका खुलासा 3 दिसम्बर को परिणाम आने पर होगा।

प्रकाश पर्व

समाज सुधारक गुरु नानक देव

गुरुनानक जी का जन्म 1469 को महिता के गृहग्राम तलवंडी ननकाना साहिब (अब पाकिस्तान) में हुआ। पिता का नाम कालूचंद एवं माता का नाम तृप्ता था। उनके प्रकाश दिवस पर उनके जीवन पर दृष्टि डाली जाए। उस समय पूर्व देश में चारों तरफ धर्म की उपेक्षा हो रही थी। धर्म के मुखियाओं ने धर्म को खिलौना बना दिया था। राजा सिंह की भांति जनता को नोच नोंच कर परेशान कर रहे थे। गीता में कहा गया है- जब जब होता नाश धरम का और पाप बढ़ जाता है तब लेते अवतार प्रभु यह विश्व शांति पाता है।

मानवगण पुकार पुकार कर प्रभु परमात्मा से प्रार्थना कर रहे थे तब प्रभु परमात्मा ने पुकार सुनकर गुरु नानक को शांति स्थापित करने हेतु धरा पर भेजा-

सुणी पुकार दातार प्रभु गुरु नानक जग माहे पठाइआ।
सतगुरु नानक प्रगटिया मिही धुंध जग चाणन होआ।।

आपको पढ़ने भेजा तब आपने उस बांधे को ही सारे अक्षरों का अर्थ कर बता दिया। जब आप गाय, भैंस चराने गए तो एक पेड़ के नीचे बैठ कर विश्राम करने लगे तब सिर पर धूप पड़ने लगी तब एक सर्प ने आकर आपके मुख पर छाया कर दी। जब उन्हें उनके पिता ने 20 रुपए दे कर सौदा लाने के लिए भेजा तो आप ने रास्ते में बैठे भूखे साधू को महात्मा को भोजन का सामान दिला दिया सोचा कि इससे अच्छा सौदा और कुछ हो ही नहीं सकता।

तब आपके पिता ने आपको अपनी बहन नानकी के गांव सुलतानपुर लोधी के यहां भेज दिया। वहां उनका बहनोई इन्हें किसी काम पर लगवा देंगे तब जीजा जयराम ने आप को नवाब दौलत खां लोधी के मोदी खाने में काम पर लगा दिया वहां आप जब रसद वगैरह तौलकर देते तब सब तेरह तेरह करके उनको कई दफा ज्यादा रसद दे देते। इनकी शिकायत नवाब से की गई तब उनका हिसाब किया गया तो गुरु नानक देवजी को ही और रकम नवाब से मिली तब आप ने नवाब की नौकरी से इस्तीफा दे दिया। एक दिन आप सुलतानपुर में बेड़े नदी स्नान करने गए और ऐसी डुबकी लगाई कि तीन दिन तक निकले ही नहीं। वहीं से आप सचखंज गए प्रभु परमात्मा से मिलकर फिर वहीं नदी से बाहर आए। 'बाबा पैंधा सचखंण नवनिधि नाम गरीबी पाई' नदी से बाहर आने पर आपने ध्यान लगाया तो देखा हाहाकार मची हुई है। बाबा देखे ध्यान धर जलती सब पृथवी दिसआई। बस फिर आपने भाई बाला और मरदाना के साथ लोगों को प्रभु सिमरन कराने के लिए लम्बी यात्राएं कीं जिनको आप चार उदासियां कहा जाता है। आपके प्रचार करने का अंदाज ही निराला था। आपने जगह-जगह प्रचार किया और लोगों को प्रभु सिमरन भक्ति से जोड़ा और आमनाबाद में जब आप भाई लालो के घर में रुके तब मलक भागो ने भोज कराया और सारे गांव को प्रसाद गहण कराया और गुरुदेव को भी न्यौता दिया। तब आप नहीं गए। गुरुदेव को जबदस्ती बुलाया गया और तब गुरुदेव ने उनकी पूड़ी-कचौड़ी को एक हाथ में और दूसरे हाथ में भाई लालो की कोदरे की रोटी को पकड़ा और दोनों को निचोड़ा तो कोदरे की रोटी से दूध और पूड़ी-कचौड़ी से खून की धार निकली। तब उन्होंने मलक भागो से कहा-आपने गरीबों का खून चूस चूस कर यह भोजन बनाया है इसलिए यह खाने योग्य नहीं है। ईमानदारी से मेहनत करके रोटी बनाई है इसलिए इसमें से दूध की धार निकली। एक बार जब आप जगन्नाथपुरी में आरती की तो -गगन में थाल रविचंद दीपक तार का मंडला जनक मोती। धूप मलयानले पवन चवरो करे सगल बनराय फुलंत जोती।।

इंदरसिंह आहुजा

आपके पत्र

उत्तरकाशी में टनल में फंसे 41 मजदूरों के रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी बरकरार

बड़े-बड़े पुल, भवन और इमारतों के निर्माण में मजदूरों का योगदान सराहनीय रहता है। जीवन को दांव पर लगाने में भी पीछे नहीं हटते है। उत्तरकाशी का दर्दनाक हादसा आंखों से ओझल भी नहीं हो रहा है। टनल में फंसे 41 मजदूरों के लिए देश-विदेश से दुहाई की जा रही है लेकिन 15 दिन बाद भी टनल के रेस्क्यू में अड़चन खड़ी हो रही है। मजदूरों के फंसे रहने से उनके परिवारजनों की दिलोदिमाग की हालत खराब होती जा रही है। उतराखण्ड की सरकार हर संभव उपाय कर रही है। अमेरिका को ऑगर मशीन टूटने के बाद विदेशी विशेषज्ञों के सभी उपाय नाकाम साबित होते दिख रहे है। वर्टीकल ड्रिलिंग शुरू की गई है जिससे पहाड़ से खुदाई कर लोगों को सही सलामत बाहर निकालने में सफलता मिल सके। 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए सरकार ने पानी की तरह पैसा बहाया है लेकिन राजस्थान विधानसभा चुनाव में उत्तरकाशी के मजदूरों पर कांग्रेस सियासत करना नहीं भूली। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने राहुल के विवादित बयान का जवाब देने की जगह टनल में फंसे मजदूरों पर सियासत गर्म की गई। टनल में फंसे सभी मजदूरों को बाहर निकालने में बहुत सारी कम्पनियों ने कमर कस ली है। सरकार ने लैंडलाइन टनल में डालकर मजदूरों के परिवार से टेलीफोन से बात कराने की व्यवस्था की गई है। पहाड़ काटकर टनल की चोटी से खुदाई शुरू की है। समय लग सकता है लेकिन सरकार के उपाय कारगर साबित होने की पूरी संभावना है। मैन्युअल ड्रिलिंग के लिए सेना को बुलाया गया है। अचानक हुए हादसे में 41 मजदूरों के फंसने के बाद उनके परिवारजनों के हालात खराब हैं लेकिन सरकार की पूरी कोशिश रही है कि सभी मजदूरों को किसी भी हालत में सही सलामत उनके परिवार को सौंपना है। अनेक दिक्कतों के बाद नई समस्या आ खड़ी हुई है। खुदाई में मलबा गिरने की संभावना है। बहरहाल, सभी उपाय किए जा रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में भारतवंशीय निक्की हेली का वर्चस्व

अमेरिकी नागरिकों का भारत के प्रति बढ़ता स्नेह और तेजगति से हिन्दू धर्म की तरफ आकर्षित होते अमेरिकियों का कोई सानी नहीं है। वैसे तो कट्टरपंथी देशों में राधेश्याम, हरे कृष्णा और सीताराम के जयकारे लगने लगते रहे हैं। सऊदी अरब में मन्दिर का निर्माण एक कौतूहल पैदा कर रहा है। भारत और भारतवासियों की विदेशों में भी बोलबाला है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भारतवंशी है और अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस कैलिफोर्निया की पहली महिला उपराष्ट्रपति हैं। भारतवंशी अनेक पदों को सुशोभित कर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। ऋषि सुनक 2022 में कंजर्वेटिव पार्टी के नेता यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री बने। इसी क्रम में निक्की हेली का जनाधार अमेरिका में बढ़ता जा रहा है। वे राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिका में युवा चेहरा है। जो डोनाल्ड ट्रंप के बाद दूसरी जनाधार पार्टी के रूप में आगे बढ़ रही है। निक्की हेली की लोकप्रियता बरकरार है। अमेरिकावासियों के दिल मे भारतवंशियों का नाम सबसे आगे है। अमेरिका में भारत के लोगों का विश्वास भरपूर है। निक्की हेली की दानदाताओं ने भरपूर मदद की है। इस बार हेली की जीत पर कोई ग्रहण नहीं लगता है तो 2024 में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बाजी मार सकती हैं।

अमेरिका और ब्रिटेन दुनिया में महासत्ता के नाम से जाने जाते हैं। इन पर भारतवंशिय का बोलबाला है तो इससे बढ़कर भारत का गौरव और क्या हो सकता है। निक्की की बढ़ती लोकप्रियता में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अहम भूमिका हो सकती है। विदेश नीति में सुधार, गर्भपात के अधिकार पर हेली का रुख कहीं न कहीं सफलता की ओर अग्रसर हो रहा है। जटिल मुद्दे उठाकर निक्की ने लीडरों को अपने पाले में कर लिए हैं जिससे उम्मीद बढ़ गई है। हेली को मिलने वाले करोड़ों के फंड से यह तय है कि हेली चुनाव में परचम लहरा सकती हैं। यह भारत के लिए सुखद समाचार है। दुनियाभर में भारत का नाम रोशन करने वाले भारतवंशियों की साख में उतरोत्तर बढ़ोतरी हो रही है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

हथकड़ी से हाथ खिसकाकर थाने से फरार हुआ अपराधी

भोपाल, देशबन्धु। थाने में पहरे पर तैनात सिपाही की नजर चूकी और धोखाधड़ी का आरोपी हथकड़ी से हाथ खिसकाकर भाग निकला। घटना बैरागढ़ थाने में रविवार सुबह हुई। इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में पहरे पर तैनात सिपाही का निलंबित कर दिया गया है। वहीं पुलिस की चार टीम फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

बैरागढ़ थाना पुलिस के मुताबिक आरोपित 26 वर्षीय राजकुमार अहिरवार मूलत: ग्राम इंदरवास थाना ग्यारसपुर जिला विदिशा का रहने वाला था। उसके खिलाफ बैरागढ़ थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। इसके अलावा विदिशा, गंजबासौदा, कोतवाली सीहोर आदि थानों में भी उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। सीहोर की कोतवाली थाना पुलिस ने पिछले दिनों उसे गिरफ्तार कर जेल

भेजा था। उसकी गिरफ्तारी की जानकारी मिली तो बैरागढ़ थाना पुलिस राजकुमार को सीहोर जेल से प्रोटेक्शन वारंट पर लेकर भोपाल लाई थी। उसे न्यायालय में पेश कर दो दिन के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया था। शनिवार रात राजकुमार को हथकड़ी लगाकर थाने में रखा गया था। रविवार सुबह 5.51 बजे तक वह थाने में दिखा, लेकिन सुबह 6 बजे वह हथकड़ी से हाथ खिसकाकर थाने से फरार हो गया था।

बैरागढ़ थाना प्रभारी कमलजीत रंधावा ने बताया कि आरोपी राजकुमार एचसीएम टेबल के पास हथकड़ी से बंधा था। उसकी निगरानी के लिए सिपाही आशीष रावत को तैनात किया गया था। लेकिन राजकुमार सिपाही की नजर से बचकर हथकड़ी में से हाथ निकालकर फरार हो गया। उसके खिलाफ हिरासत से भागने का मामला दर्ज कर लिया गया है। इसके साथ ही लापरवाही बरतने के आरोप में पहरे पर तैनात आरक्षक आशीष रावत को निलंबित कर दिया गया है। वहीं पुलिस की चार टीम फरार आरोपी की भोपाल के अलावा विदिशा, रायसेन एवं सीहोर जिले में तलाश कर रही है।

राज्य ओपन बोर्ड ने 10वीं-12वीं की परीक्षा तारीखों का किया ऐलान

भोपाल, देशबन्धु। मप्र राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड ने दिसंबर में आयोजित होने वाली 10वीं और 12वीं (परंपरागत), रुक जाना नहीं, मदरसा और आ लौट चलें योजना के तहत आयोजित परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। इन परीक्षाओं में पहली बार शामिल हो रहे परीक्षार्थियों या जो पूर्व परीक्षा में अनुपस्थित या फेल हुए हैं, उनकी प्रायोगिकी परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्र पर ही आयोजित की जाएंगी। परीक्षाकाल में अगर सार्वजनिक या स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है, तब भी परीक्षाएं निर्धारित समय-सारिणी के मुताबिक ही होंगी। इस संबंध में राज्य ओपन बोर्ड ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

राज्य ओपन बोर्ड द्वारा जारी समय-सारिणी के मुताबिक 10वीं की परीक्षा 15 दिसंबर से शुरू होगी और 30 दिसंबर तक चलेगी। वहीं 12वीं की परीक्षा 13 से 29 दिसंबर तक चलेगी। 10वीं की परीक्षा जहां दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी, वहीं 12वीं की परीक्षा सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में आधा घंटा पहले पहुंचने के लिए निर्देशित किया गया है। परीक्षाओं में समय से न पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा शुरू होने 10 मिनट पहले उत्तर पुस्तिका और पांच मिनट पहले पेपर दिए जाएंगे। इन परीक्षाओं में एक लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षार्थियों को राज्य ओपन बोर्ड की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करना होंगे।

राज्य ओपन बोर्ड द्वारा रुक जाना नहीं और आ लौट चलें योजना के तहत पांचवीं व आठवीं की परीक्षा की भी समय-सारिणी जारी कर दी गई है। इनकी परीक्षा परंपरागत परीक्षा के समय से अलग है। इसमें 10वीं की परीक्षा 15 से 28 दिसंबर तक चलेगी।12वीं की परीक्षा 13 से 30 दिसंबर तक होगी। वहीं मदरसा बोर्ड की 10वीं की परीक्षा 15 से 30 दिसंबर तक होगी। 12वीं की परीक्षा 13 से 29 दिसंबर तक होंगी।

उधर, 9वीं में नामांकन के लिए उम्र के बंधन में दी रियायत

30 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

भोपाल, देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा दाखिले के लिए न्यूनतम आयु संबंधी नए नियम से नौवीं कक्षा में नामांकन के लिए हजारों विद्यार्थियों को परेशानी हो रही थी। इसे देखते हुए कई प्राचार्यों ने माशिमं के सचिव को पत्र लिखा था। इसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने नौवीं के नामांकन में उम्र के बंधन में छूट दे दी है। शासन ने पिछले साल के नियम लागू कर दिए हैं। यह नियम सिर्फ सत्र 2023-24 के लिए मान्य होंगे। इस संबंध में मंत्रालय से आदेश जारी हो गए है। अब 31 दिसंबर 2010 के बाद के जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का नौवीं में नामांकन हो सकेगा। इस संबंध में माशिमं ने नियमों को शिथिल करते हुए पत्र जारी किया है। इसके अनुसार विद्यार्थी 30 नवंबर तक नौवीं में नामांकन करा सकते हैं। दरअसल मप्र स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पहली में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु पांच वर्ष की है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा भी हर साल जारी निर्देशों में पांच वर्ष की न्यूतनम आयु के विद्यार्थियों को पहली कक्षा में प्रवेश देने के लिए सत्र की शुरुआत में निर्देश जारी करता है। इसके अनुसार माशिमं भी नौवीं के नामांकन में न्यूनतम आयु 13 साल की है, लेकिन कई विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में आठवीं तक निरंतर पढ़ते हुए वर्तमान में 12 साल उम्र तक के भी हैं। वर्तमान में माशिमं में नौवीं के नामांकन का कार्य चल रहा है। जिसमें 31 दिसंबर 2010 के बाद के जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का नौवीं में नामांकन नहीं हो रहा था। इससे हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का अभी तक नामांकन नहीं हो पाया। मामले में माशिमं ने मप्र शासन, राज्य शिक्षा केंद्र के पहली में प्रवेश के नियम शासन को ही भेज दिए थे जिसमें बताया गया है कि शासन ने पहली में प्रवेश की न्यूनतम आयु पांच साल निर्धारित की है। इसके अनुसार मंडल में 5 प्लस 8 यानि 13 साल की उम्र में नवमीं नामांकन हो रहा है। राज्य शासन ने उम्र के बंधन में शिथिलता प्रदान कर दी है। शासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि नौवीं में नामांकन पिछले साल के नियमों के आधार पर इस वर्ष सत्र 2023-24 में होंगे। यह नियम सिर्फ वर्तमान सत्र के लिए मान्य किए गए है।

देरी से भी पहुंचाया था सामान

ट्रांसपोर्ट कंपनी को देना होगा 30 हजार रुपए हर्जाना

भोपाल, देशबन्धु। एक शहर से दूसरे शहर में सामान को भेजने के लिए अक्सर लोग ट्रांसपोर्टेशन कंपनी से बुकिंग करते हैं, लेकिन कंपनी भी भरोसे पर खरा नहीं उतरी। राजधानी के अरेरा कालोनी निवासी एक उपभोक्ता का पूणे से भोपाल स्थानांतरण हुआ। वहां से सामान भेजने के लिए एक ट्रांसपोर्टेशन कंपनी से बुकिंग कराई। लेकिन ट्रांसपोर्टेशन कंपनी ने सेवा में कमी की। इस पर जिला उपभोक्ता आयोग ने ट्रांसपोर्ट कंपनी पर 30 हजार रुपये का हर्जाना लगाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अरेरा कालोनी निवासी तपी जैन ने मूवर्स एंड पैकर्स प्रा. लि. के प्रबंधक संचालक के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग में 2017 में याचिका लगाई थी। इसमें शिकायत की थी कि 27 मार्च 2017 पूणे से भोपाल के लिए मूवर्स एंड पैकर्स से सामान पैक कराया था। सामान तय तिथि 31 मार्च के बदले एक अप्रैल को पहुंचा। इस दौरान कुछ सामान टूट-फूट के साथ गुम भी हो गया था। इस मामले में ट्रांसपोर्टेशन कंपनी ने तर्क रखा कि सामान उपभोक्ता के सामने पैक कर भरा गया था और पैकिंग सूची पर हस्ताक्षर भी किया था। सभी सामान सुरक्षित पहुंचा दिया गया, जो सामान गुमा है उसकी रसीद उपभोक्ता ने नहीं दी कि कितनी राशि का था। वहीं उपभोक्ता ने पांच हजार रुपये बकाया राशि भी नहीं दिया। लेकिन जिला उपभोक्ता आयोग ने मूवर्स एंड पैकर्स इस तर्क को खारिज कर दिया और उसे दोषी ठहराते हुए कहा कि उपभोक्ता का सामान गुमाने के साथ ही उच्च स्तरीय पैकिंग न करने से काफी टूट-फूट गया। इससे उपभोक्ता को काफी नुकसान उठाना पड़ा। इस मामले में आयोग क्रमांक-2 की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह व सदस्य अंजुम फिरोज ने निर्णय सुनाया कि उपभोक्ता को मानसिक रूप से परेशान होना पड़ा। इस कारण ट्रांसपोर्टेशन कंपनी को 25 हजार रुपये क्षतिपूर्ति राशि के साथ-साथ पांच हजार वाद व्यय देना होगा।

किराए के कमरे में चल रहा था गैस का अवैध कारोबार

स्थानीय पुलिस को नहीं थी जानकारी, हादसा होने पर चला पता

भोपाल, देशबन्धु। शहर के रहवासी क्षेत्रों में लोगों की जान जोखिम में डालकर अवैध गैस रिफिलिंग का कारोबार धड़ल्ले से किया जा रहा है। इसके बाद भी पुलिस और प्रशासन द्वारा कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। अक्टूबर में स्मार्ट सिटी क्षेत्र में अवैध रिफिलिंग स्टेशन पकड़ाने के एक महीने बाद ही शाहपुरा के रहवासी क्षेत्र में दूसरा मामला सामने आ गया है। खास बात यह है कि पुलिस प्रशासन को इसका पता भी तब चला जब यहां गैस रिफिलिंग करते समय आग लग गई। आग लगने से अवैध गैस रिफिलिंग का कारोबार करने वाले दो आरोपियों के साथ ही पड़ोसी भी झुलस गए थे। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर में अभी 14 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर 908 रुपये और 19 किलोग्राम वाला व्यवसायिक सिलेंडर एक हजार 783 रुपये का है। इनसे वाहनों में गैस रिफिलिंग की जाती है। ऐसा ही अवैध गैस रिफिलिंग का कारोबार शाहपुरा में अहिल्या देवी चौराहे के पास इमरत सिंह के मकान में किराये का कमरा लेकर कल्याण साहू और तोरण सिंह कर रहे थे। यह आरोपी घरेलू और व्यवसायिक गैस सिलेंडर से से पांच किलोग्राम वाले सिलेंडर में गैस रिफिलिंग कर उसे लगभग 600 रुपये तक बेच रहे थे। शनिवार को जहां गैस रिफिलिंग के दौरान आग लग गई तो कल्याण और तोरण तो चपेट में आए साथ ही पड़ोस में रहने वाले किरायेदार छोटू पटोरिया, उनकी पत्नी राधा और साला शक्ति भी झुलस गए। हालांकि पानी से आग बुझाकर खुद को बचाया और मौके से भाग खड़े हुए थे। उधर घटना के बाद जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो यहो से कुल 12 सिलेंडर बरामद किए गए हैं। इनमें पांच घरेलू सिलेंडर, तीन व्यवसायिक सिलेंडर और चार छोटे पांच किलो वाले सिलेंडर शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक प्राथमिक तौर पर अनुमान लगाया जा रहा है कि इन बड़े सिलेंडरों से छोटे सिलेंडर में गैस भरी जा रही थी। दरअसल किराये से रहने वाले अधिकांश लोग इन्हीं छोटे सिलेंडर का उपयोग खाना बनाने में करते हैं ।

इनका कहना है

किराये के मकान में गैस सिलेंडर में आग लगने से हादसा हुआ है। हमने मौके पर टीम भेजी थी इससे पहले शाहपुरा थाना पुलिस पहुंच गई थी। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। जब हमारे पास मामला आएगा तो नियमानुसार कार्रवाई करेंगे।

मीना मालाकार,
जिला आपूर्ति नियंत्रक

शर्मा ने यूनियन को नई ऊँचाई पर पहुंचाया: भगोलीवाल

सेवानिवृत्ति पर हुआ भव्य विदाई समारोह

भोपाल, देशबन्धु। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अवॉर्ड स्टॉफ यूनियन भोपाल सर्किल के अध्यक्ष कामरेड नलिन शर्मा की सेवानिवृत्ति पर रविवार को भव्य विदाई समारोह कुक्कुट भवन भोपाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ फेडरेशन के फेडरेशन के अध्यक्ष कामरेड अरुण भगोलीवाल व महासचिव कामरेड संजीव के. बंदलिश सहित पूरे देश से पधारे फेडरेशन के पदाधिकारियों के साथ मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के सैकड़ों कामरेड कर्मचारि शामिल हुए।

इस अवसर पर कामरेड अरुण भगोलीवाल ने अपने संबोधन में नलिन शर्मा द्वारा संघ एवं बैंक में किये गये कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शर्मा ने अपनी निष्ठा और कर्मठता से भोपाल की यूनियन को नई ऊँचाई पर पहुंचाया है। इसी तरह महासचिव बंदलिश ने शर्मा के योगदान को सराहा और उनके उज्वल भविष्य की कामना की । वहीं सभी अंचलों से आए पदाधिकारियों ने शर्मा को शॉल श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर स्टेट बैंक अधिकारी संघ के महासचिव कामरेड सचिन गोखले, अध्यक्ष डी. मिश्रा मुख्य रुप से शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में नलिन शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

निजी बैंक के उप प्रबंधक ने वृद्ध को निवेश का झांसा देकर 18 लाख रुपए हड़पे

भोपाल, देशबन्धु। कोलार में रहने वाले एक बुजुर्ग के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। धोखाधड़ी के शिकार हुए बुजुर्ग वेयर हाउसिंग कारपोरेशन सेवानिवृत्त अधिकारी है, जबकि एक्सिस बैंक का उप प्रबंधक है। उसने वृद्ध को म्युचुअल फंड और अन्य योजनाओं में निवेश का झांसा देकर उनसे 18 लाख की राशि हड़प ली। जब बुजुर्ग को ठगी का एहसास हुआ, तो उन्होंने कोलार थाने में शिकायत की। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने उप प्रबंधक पर धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। इस मामले में बैंक के पूर्व और वर्तमान प्रबंधक की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कोलार थाना पुलिस ने बताया कि सागर प्रीमियम टावर निवासी रमेश चौधरी उम्र 77 वर्ष वेयर हाउसिंग कारपोरेशन से कुरुक्षेत्र, हरियाणा से सेवानिवृत्त हुए हैं। मई 2022 में ही वह भोपाल में रहने आए थे। उनका हरियाणा के एक्सिस बैंक में खाता था, जिसे कोलार स्थित एक्सिस बैंक शाखा में ट्रांसफर करवाने के लिए वह तत्कालीन बैंक प्रबंधक कमलेश कुमार मंचानी से मिले थे। उन्होंने उन्हें बैंक में उप प्रबंधक के तौर पर कार्यरत आशीष भदौरिया पिता स्व श्यामवीर सिंह भदौरिया निवासी ऋषि सिटी, ईस्ट ऋषिपुरम फेस 1 से मिलवाया था। आशीष ने उनसे से कहा कि उनका बैंक खाता हरियाणा से ट्रांसफर होने में समय लग जाएगा। ऐसे में वह उनका दूसरा बैंक खाता खुलवा देता है। इसके बाद वह नियमित रूप से उनके संपर्क में रहा और उनका भरोसा जीत लिया। उसने इसी भरोसे का फायदा उठाकर उनको बैंक में निवेश संबंधी विभिन्न योजनाओं के बारे में बताते हुए मोटे मुनाफे का लालच दिया। लिहाजा वे उसकी बातों में आ गए और उन्होंने नौ- नौ लाख रुपये के दो चेक अक्टूबर 2022 में उसे निवेश के लिए दे दिए। इसके बाद वह जब भी आशीष से पूछते कि उन्होंने इन रुपयों को कहां निवेश किया, तो वह गोलमोल जवाब देते हुए गुमराह करने लगा। इस पर जब उन्होंने बैंक में जाकर पता किया तो पाया कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। उनके नाम से बैंक में कोई निवेश नहीं था, बल्कि उन्होंने 9-9 लाख रुपये के जो दो चेक दिए थे, वह राशि राजीव कुमार सिन्हा और शकुंतला सिन्हा के नाम से दो डीडी बनाकर उनके खाते से निकालकर हड़प कर ली गई। इस बारे में जब उन्होंने बैंक प्रबंधक रजनीश त्रिपाठी से शिकायत की तो उन्होंने उन्हें पुलिस में शिकायत करने से रोकने का प्रयास किया और कहा कि वह पूरी राशि वापस करवा देंगे। लेकिन बुजुर्ग नहीं माने और पूरे मामले की थाने में शिकायत की। पुलिस ने जांच के बाद आशीष भदौरिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस फिलहाल आरोपी की तलाश कर रही है।

बच्चों ने दिया धैर्य रखकर काम करने का संदेश

भोपाल, देशबन्धु। अयोध्या नगर बायपास स्थित क्विन मैरी हायर सेकंडरी स्कूल में इंग्लिश एसोसिएशन का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने रोल प्ले ऑन टेंसेस , पोयम, एक्ट ऑन पार्ट ऑफ स्पीच, चेट-शो, हेविंन ऑन अर्थ आदि पर मंचन किया। कार्यक्रम में विभिन्न नाटकों के जरिए बच्चों ने धैर्य में रहने का संदेश दिया। वहीं तेनालीराम की कहानी का मंचन कर यह भी बताया कि स्वर्ग ढूंढने कहीं और नहीं जाना है, वह आसपास ही है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता बच्चों को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।

मतगणना के लिए तहसीलदार सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

भोपाल, देशबन्धु। कलेक्टर आशीष सिंह ने विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतगणना कार्य के सुचारु रुप से संपादन के लिए श्री आलोक पारे, तहसीलदार कोलार को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्री पारे तत्काल संदीप केरकटा, नोडल अधिकारी (मतगणना) से संपर्क स्थापित करें। कुनाल राउत, तहसीलदार द्वारा आगामी आदेश तक के लिये तहसीलदार कोलार का कार्य संपादित करेंगे।

भेल कर्मचारियों ने इंसेंटिव भुगतान की फिर उठाई मांग, धरने की चेतावनी दी

भोपाल, देशबन्धु। भेल कर्मचारियों ने एक बार फिर विभिन्न मांगों को लेकर प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मांगें नहीं माने जाने की सूरत में भेल कर्मचारियों ने भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के नेतृत्व में धरने की चेतावनी दी है। प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में भारतीय मजदूर संघ महामंत्री के कमलेश नागपुरे ने रणनीति पर चर्चा की। वीडियो काल पर संघ के अध्यक्ष विजय सिंह कठैत ने कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा है कि कोरोना काल की आड़ में भेल भोपाल प्रबंधन ने कर्मचारियों की सबसे महत्वपूर्ण स्कीम इंसेंटिव इन सैलरी का भुगतान बिना बातचीत के बंद कर दिया, जबकि यह कर्मचारियों के कार्य को मापने का एक पैमाना था। सौ प्रतिशत कार्य करने पर उसे प्रोत्साहन राशि प्राप्त होती थी, लेकिन कोराना काल में प्रबंधन ने इसे एकतरफा बंद कर दिया। तब से लेकर अभी तक लगातार यूनियन इसकी मांग कर रहा है, लेकिन प्रबंधन उसको अनसुना कर रहा है। इसके अलावा प्रबंधन कर्मचारियों की पाली में परिवर्तन करने की सोच रहा है। इस पर बीएमएस ने कहा कि जब तक इंसेंटिव का भुगतान नहीं हो जाता, तब तक पाली ड्यूटी पर किसी प्रकार की कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए।

उर्वशी ने ओपन नेशनल प्रतिस्पर्धा में स्थान किया सुनिश्चित

भोपाल, देशबन्धु। नेशनल विज्ञान प्रतिस्पर्धा में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 भोपाल की छात्रा उर्वशी अग्रवाल के समूह ने सर्वोत्तम प्रदर्शन कर ओपन नेशनल प्रतिस्पर्धा में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

31वें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (अधिवेशन) 2023 का समापन केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 आगरा में हुआ। राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रतिस्पर्धा में लगभग 25 क्षेत्रीय कार्यालय से 450 बच्चों ने भाग लिया। भोपाल संभाग से दो मॉडल चयनित किए गए, जिसमें पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 से उर्वशी अग्रवाल का समूह और दूसरा केंद्रीय विद्यालय सीहोर ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए देश भर से 42 मॉडल का चयन किया गया था, जिसमें विज्ञान के 25 मॉडल वरिष्ठ वर्ग से और 17 कनिष्ठ वर्ग से शामिल किए गए थे। भोपाल से विद्यालय की सीनियर शिक्षिका भावना जायसवाल छात्र-छात्राओं

को लेकर आगरा पहुंची थी। छात्रों को प्रतिस्पर्धा के लिए विद्यालय के शिक्षक प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, कौशलेंद्र सिंह, मीता चौरसिया, सुषमा दीक्षित सहित अन्य शिक्षकों ने तैयार किया था। विद्यालय के प्राचार्य सरजीत सिंह सहित समस्त अध्यापकों ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उर्वशी अग्रवाल के बेहतर प्रदर्शन से ना केवल केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 का नाम रोशन हुआ बल्कि भोपाल एवं समस्त मध्य प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

निमाड़ी गायन और गुदुमबाजा नृत्य ने किया मंत्रमुग्ध

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित संभावना गतिविधि में रविवार को सुश्री संदीपा पारे एवं साथी, भोपाल द्वारा निमाड़ी गायन और लामूलाल धुर्वे एवं साथी, अनूपपुर द्वारा गोंड जनजातीय नृत्य गुदुमबाजा की प्रस्तुति दी गई। इन प्रस्तुतियों ने श्रोताओं व दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में गतिविधि की शुरूआत निमाड़ी गायन से हुई, जिसमें सुश्री संदीपा पारे एवं साथी द्वारा गणेश वंदना पयल मनाऊँ म्हारा गणपति देवा..., सुप्रभात कुकड़ा सार बोल मोर बरज नगर म..., ह ऊँ तो अगवाड लगाऊं अम्बा अमली..., नागरवन्ति झोपड़ी माया को अंत न पर..., खोलो किवाड़ी माता देखां थारी वाड़ी..., हजार पान सुपारी डेढ़ सौ धोन्ध धोन्धाल्यो रे गणपति..., जैसे कई लोकगीतों की प्रस्तुति दी। मंच पर गायन में संदीपा पारे, सह-गायन में तृप्ति बिल्लोरे, रश्मि उपरीत, हारमोनियम पर पं.जितेंद्र शर्मा, ढोलक पर रघुवीर सिंह,बांसुरी पर नितेश मांगरोले ने संगत की।

प्रस्तुति के अगले क्रम में लामूलाल धुर्वे एवं साथी, अनूपपुर द्वारा गोंड जनजातीय नृत्य गुदुमबाजा की प्रस्तुति हुई। गुदुमबाजा

नृत्य गोण्ड जनजाति की उपजाति ढुलिया का पारम्परिक नृत्य है। समुदाय में गुदुम वाद्य वादन की सुदीर्घ परम्परा है। विशेषकर विवाह एवं अन्य अनुष्ठानिक अवसरों पर इस समुदाय के कलाकारों को मांगलिक वादन के लिए अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाता है। इस नृत्य में गुदुम, डफ, मंजीरा, टिमकी आदि वाद्यों के साथ शहनाई के माध्यम से गोण्ड कर्मा और सैला गीतों की धुनों पर वादन एवं रंगीन वेश-भूषा और कमर में गुदुम बांधकर लय और ताल के साथ, विभिन्न मुद्राओं में नृत्य किया जाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अदालतों में जाने से नहीं.... और यहां तक कि साफ हवा हासिल करने के लिए दखल देने की उम्मीद के साथ तक आते हैं। सीजेआई ने कहा कि यह केस सिर्फ कोर्ट के लिए आंकड़े नहीं हैं। यह मामले बताते हैं कि लोग सुप्रीम कोर्ट से क्या उम्मीद करते हैं और खुद कोर्ट की नागरिकों को न्याय देने की प्रतिबद्धता दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट शायद दुनिया की एकमात्र कोर्ट है, जहां नागरिक सिर्फ मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखकर संवैधानिक मशीनरी को चालू करा सकते हैं।

सबसे भ्रष्ट सरकार तेलंगाना.... तेलंगाना के लोगों को ही झेलना पड़ा। चुनावी रैली में राहुल गांधी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए कहा, हमने लोगों से छह वादे किए हैं। आपको बता दूं, राज्य में कांग्रेस सरकार आते ही ये वादे कानून में तब्दील हो जाएंगे। कांग्रेस के घोषणा पत्र में किए गए वादों का जिक्र करते हुए कहा, महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के बैंक खाते में हर महीने 2,500 रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा, राज्य में कांग्रेस सरकार के आते ही गैस सिलेंडर के दाम में कटौती होगी। उन्होंने कहा, आप सभी को 500 रूपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। तेलंगाना में हमारी सरकार आते ही महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सौगात मिलेगी।

गणेशपुरम कॉलोनी के सुने मकान में चोरी

शिक्षक के सूने मकान से चोर ले उड़े सोने-चांदी के जेवरात, स्कूटी

टीकमगढ़, देशबन्धु। सोने चांदी के जेवरात और स्कूटी चोरी जाने की घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई। यह चोरी की घटना गणेशपुरम् इलाके में तब हुई, जब यह के रहवासी शिक्षक अपने गांव गए हुए थे। घटना की सूचना पर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। बताया गया है कि शहर के गणेशपुरम् कॉलोनी में शनिवार देर रात चोरों ने सुने मकान में चोरी की। घटना के वक्त परिवार के सभी लोग अपने गांव गए थे, आज सुबह जब मोहल्ले वालों ने मकान का ताला टूटा देखा तो परिजनों को सूचना दी। दोपहर में शिक्षक सतीश तिवारी अपने गांव से लौटे और कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। गणेशपुरम निवासी शिक्षक सतीश तिवारी रविवार के अवकाश के चलते पत्नी और बच्चों के साथ शनिवार को अपने गांव गए थे। देर रात अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर स्कूटी सहित सोने-चांदी के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जब मोहल्ले वालों ने

परिवार के साथ गांव गए थे शिक्षक

मकान का ताला टूटा हुआ देखा, तो शिक्षक सतीश तिवारी को सूचना दी। सूचना पाते ही वह आज दोपहर में गांव से टीकमगढ़ लौटे और कोतवाली पुलिस को चोरी की सूचना दी। जानकारी लगते ही कोतवाली टीआई आनंद राज डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने चोरी किए गए सामान की जानकारी जुटाई। इसके साथ ही पुलिस ने खोजी कुत्ते की मदद ली। पुलिस डांग को भी खोजबीन के दौरान कोई खास कामयाबी नहीं मिली। फिलहाल आरोपियों का पता नहीं चल सका है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। इस संबन्ध में नगर निरीक्षक आनंद राज ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 457, 380 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई आरंभ कर दी है। उन्होंने मुहल्लावासियों एवं फरियादी को जल्दी ही मामले का खुलासा होने का भरोसा दिलाया है। श्री राज इसके पहले भी यहां चोरी के मामलों का खुलासा कर चुके हैं।

स्कूटी सहित सोने-चांदी के जेवरात चोरी

शिक्षक सतीश तिवारी ने बताया कि अज्ञात चोर एमपी 36 जेडसी 9926 नंबर स्कूटी चुराकर ले गए। इसके अलावा घर की अलमारी में रखे 72 हजार कैश, तीन सोने की अंगूठी, सोने की कान की झुमका, चांदी के बिछिया, पायल, कमर पेटी चुरा कर ले गए। पीड़ित परिवार ने कैश सहित कुल चोरी हुए सामान की कीमत करीब चार लाख रुपए बताई है।

चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर चिंता

शहर में चोरी की वारदातें थमनें का नाम नहीं ले रही हैं। बीते दिनों कटरा बाजार में एक सोनी परिवार के यहां हुई चोरी की घटना का जहां अब तक खुलासा नहीं हो सका है, वहीं दुकानों से हुई चोरी की कई घटनाओं पर भी पर्दा डला हुआ है। विवाह घरों को भी अब तक अज्ञात चोर अपना निशाना बना चुके हैं। शहर में बाहरी संदिग्ध लोगों की बढ़ती आवाजाही और आरोपियों को लेकर भी नगर में चर्चाएं गर्म बनी हुई हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से देर रात तक शहर में शराब के नशे में घूमने वालों और असमाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए जाने पर जोर दिया है। कहा जा रहा है कि दिन में अज्ञात चोर और उनके परिवार के लोग भीख मांगने के बहाने रैकी करते हैं और रात में सूने घर में धावा बोलते हैं।

निरीक्षण दल ने पंचनामा तैयार कर कार्रवाई के लिए भेजा

ज्यादा दामों पर खाद बेचने वाले दुकानदार पर गिर सकती है गाज

टीकमगढ़, देशबन्धु। किसानों को मनमाने दामों पर खाद बेंचने के मामले यदाकदा सामने आ रहे हैं। आए दिन समाचारों में खाद की कालाबाजारी के मामले सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी शोर शराबा के चलते प्रशासन ने निरीक्षण के लिए अब कहीं जाकर अधिकारियों को निर्देश दिए है। बीते रोज निरीक्षण के लिए चंदेरा पहुंची टीम को देखकर शटर डाउन हो गए और खाद बिक्रेता रफूचक्कर हो गए। किसी तरह एक खाद बिक्रेता पर कार्रवाई किए जाने की चर्चाए आम हैं। निरीक्षण दल के छापामारी करने के तरीके को लेकर ही अटकलों का दौर जारी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि छापा मारने के तरीके बदले जाने चाहिए, जिससे अधिकांश दुकानदार पकड़ में आ सकेंगे। जतारा क्षेत्र अंतर्गत चंदेरा में कृषि विभाग के अधिकारियों ने खाद की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। जैसे ही निरीक्षण करने अधिकारी गांव में पहुंचे, तो बीज भंडार एवं खाद बेच रहे दुकानदारों ने अपनी दुकानों की शटर बंद कर ली। कृषि विभाग की डिप्टी डायरेक्टर प्रतिभा दुबे ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशन पर निरीक्षण किया गया। जिसमें सिंघई एजेंसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रेता निखिल जैन को समझाइश दी गई कि किसानों से अधिक मूल्य की वसूली न करें। अगर ज्यादा राशि ली गई, तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि दुकान का पंचनामा भी बनाया गया। आगे की कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को पंचनामा सौंपा जाएगा। लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई विभाग स्तर पर होगी।

मतगणना के दिन 3 दिसम्बर को शुष्क दिवस घोषित

टीकमगढ़, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार विधानसभा निर्वाचन-2023 को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा द्वारा 3 दिसम्बर 2023 को मतगणना दिवस को शुष्क दिवस घोषित करते हुए मदिरा की बिक्री प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शर्मा द्वारा जारी आदेश अनुसार शुष्क दिवसों में संपूर्ण टीकमगढ़ जिले की परिसीमा में स्थित एवं संचालित समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों एवं जिले में स्थित देशी मद्य भंडागार से मदिरा का आयात, निर्यात, परिवहन, क्रय, विक्रय एवं प्रदाय पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

बेटी को लेने गए माता-पिता के साथ ससुराल वालों ने किया था विवाद

विवाहिता रात को ससुराल से आई मायके, सुबह फंदा लगा कर दे दी जान

लिधौरा, देशबन्धु। बीती रात 11 बजे अपने माता-पिता के साथ मायके लौट कर आई एक महिला ने सुबह से अपने घर में फंदा लगा कर जान दे दी। लिधौरा के वार्ड नंबर 14 के लुधियाना मोहल्ले में निवास करने वाले भंते जोगी की 20 वर्षीय पुत्री गोल्डी ने अपने घर के आंगन में साड़ी से फंदा लगा कर जान दे दी। गोल्डी का अपनी ससुराल में विवाद होने पर माता-पिता उसे शुक्रवार की देर रात 11 बजे अपने साथ घर ले आए थे। वहीं सुबह से जब उसके पिता मेले में दुकान लगाने चले गए और मां बिट्टो दूध लेने कस्बे में चली गई तो खुद को घर में अकेला पाकर गोल्डी ने फंदा लगा लिया। वहीं जैसे ही मां दूध लेकर लौटी उसे गोल्डी फंदे पर झूलती मिली। यह देखकर मां की चीख निकल गई और दौड़ कर पड़ौसी वहां पहुंचे। सभी ने पुलिस को सूचना दी और गोल्डी को फंदे से उतार कर सीधा पृथ्वीपुर ले गए। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। बताया जा रहा है कि गोल्डी का 8 मई को तालबेहट निवासी राहुल जोगी के साथ विवाह हुआ था। इसके बाद परिवार में तनाव चलता रहा। विवाह के बाद वह दो-तीन बार मायके आई थी। अभी करवाचौथ पर वह वापस ससुराल गई थी। वहीं गुरुवार को उसका ससुराल में विवाद होने पर मां के पास फोन आया था। इस पर उसके पिता, मां के साथ ही दीदी और जीजा जी उसकी ससुराल गए थे। यहां पर उन्होंने ससुरालजनों को समझाया, लेकिन बात नहीं बनी। बताया जा रहा है कि जब गोल्डी साथ आने की बात कहने लगी तो उसके पति राहुल जोगी ने उसे जेवरात ले जाने से मना किया और गोल्डी पर आरोप भी लगाए। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच मारपीट भी हुई थी। इसकी शिकायत तालबेहट थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद वह लोग गोल्डी को साथ लेकर वापस आ गए थे। वहीं सुबह से गोल्डी ने यह कदम उठा लिया। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। यहां पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। अशोक पाटीदार, थाना प्रभारी, लिधौरा यह नवविवाहिता की आत्महत्या का मामला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। इस मामले की जांच एसडीओपी करेंगे। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, पुलिस उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई करेगी।

नेहा ने 19 मीटर तक भाला फेंका

टीकमगढ़, देशबन्धु। संभाग स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बल्देवगढ़ की छात्रा नेहा कुम्हार ने भाला फेंक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के समन्वयक डीपी सिंह ने बताया कि 24 व 25 नवंबर को खुरई में आयोजित संभाग स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में टीकमगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व नेहा कुम्हार ने किया। जहां नेहा ने 19 मीटर भाला फेंककर बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि अब नेहा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। प्रतियोगिता के दौरान खेल शिक्षक रफीक खान कोच के रुप में शामिल हुए।

गुरु नानक का प्रकाश पर्व : निकाली प्रभात फेरी, आज संकीर्तन के साथ होगा लंगर

टीकमगढ़, देशबन्धु। टीकमगढ़ शहर में गुरु नानक जयंती पर प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। सिक्ख और सिंधी समुदाय के लोग गुरु नानक जयंती पर्व पर विशेष आयोजन कर रहे हैं। प्रकाश पर्व के चलते सिंधी समाज के लोगों ने प्रभातफेरी निकाली। 27 नवंबर को सिंधी धर्मशाला सहित गुरुद्वारे में गुरु नानक देव की जयंती पारंपरिक तरीके से मनाई जाएगी। सिंधी समाज के दीपक खत्री ने बताया कि हर दिन सिंधी धर्मशाला से सुबह 5 से प्रभातफेरी निकाली जा रही है। इसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग भजन कीर्तन गाते हुए मुख्य मार्ग से होकर निकलते हैं। उन्होंने बताया कि सिख धर्म के अनुयायियों के लिए गुरु नानक जयंती एक विशेष महत्व रखती है। गुरु नानक जी सिख धर्म के संस्थापक और सिखों के सबसे पहले गुरु थे। उनका जन्म कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसलिए हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन को ही उनके जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है।

शबद कीर्तन के साथ चलेगा लंगर

जितेंद्र भगवानी ने बताया कि श्री गुरु नानक देव जी ने मानवता को सर्वोपरि रखा। उन्होंने अपने पूरे जीवन में मानवता, समृद्धि और सामाजिक न्याय की निस्वार्थ सेवा का प्रचार किया। साथ ही यह भी माना जाता है कि गुरु नानक देव जी ने ही लंगर की प्रथा भी शुरू की थी। यही कारण है कि गुरु नानक जयंती, सिख धर्म के सबसे प्रमुख पर्व में से एक है। 27 को लंगर होगा। पिंटू ओबेरॉय ने बताया कि गुरु नानक जयंती पर्व तीन दिन चलता है। इसमें गुरुद्वारों में अखंड पाठ का आयोजन किया जाता है। इस दौरान सिख समुदाय की आध्यात्मिक पुस्तक गुरु ग्रंथ साहिब जी का लगातार 48 घंटे का पाठ आयोजित किया गया है। आज नगर में कीर्तन जुलूस निकाला जाएगा।

तत्कालीन सरपंच और सचिव की मिलीभगत से 5 लाख की राशि निकाली

टीकमगढ़ , देशबन्धु। बल्देवगढ़ जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत भानपुरा में मनरेगा योजना के तहत साढ़े पांच के फर्जी मस्टर डालकर रुपए निकालने का मामला सामने आया है कि तत्कालीन सरपंच, सचिव ने निकाली राशि भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। ग्रामीणों की मानें तो सरपंच भुमानी दीन आदिवासी ने जनपद सीईओ प्रभाषराज घनघोरिया से शिकायत के बाद जांच हुई। जांच में ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार उजागर हुआ, लेकिन कार्रवाई अब तक नहीं हुई। बताया जा रहा है कि तत्कालीन सरपंच और सचिव देवेंद्र तिवारी की मिलीभगत से चारागह विकास निर्माण करिया पठा चक्र माधो में 14 लाख 63 हजार की लागत से चारागाह स्वीकृत हुआ, जिसमें 3 लाख 45 हजार रुपए की निकाले गए, परकोलेशन टैंक चक्र माधो में 3लाख 31 हजार की राशि से स्वीकृत मिलीए जिसमें 82 हजार रुपए का भुगतान हुआ है। सार्वजनिक पेयजल कूप निर्माण बनियान मुहल्ला में 3 लाख 68 हजार में से 1 लाख रुपए निकाले गएए वहीं गौशाला के पास सार्वजनिक पेयजल कूप में 36 हजार रूपये आहरण किया गया। जिसमें तत्कालीन सरपंच और देवेंद्र तिवारी की मिलीभगत से फर्जी मस्टर डालकर सरकारी राशि को ठिकाने लगा दिया है। इस फर्जीवाड़े में जनपद के जिम्मेदार अधिकारी भी करवाई करने से कतराते है।

नवोदय विद्यालय में मनाया गया संविधान दिवस

स्वतंत्रता, समता और भाईचारा है राष्ट्रीय भारतीय संविधान की मूल आत्मा

टीकमगढ़, देशबन्धु। कुंडेश्वर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में संविधान दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय प्राचार्य अजय राज सिंह ने संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर कृतज्ञता व्यक्त किया। प्राचार्य अजय राज सिंह ने संविधान दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला और संविधान की प्रस्तावना का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा की स्वतंत्रता समता और भाईचारा भ्रष्ट्रीय भारतीय संविधान की मूल आत्मा है। यह वह आधार है जिस पर राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता अनुसार अपना विकास कर सकता है। भारत का संविधान ही प्रेरणा स्रोत है, जिसका अनुसरण करते हुए राष्ट्र प्रगति की पथ पर अग्रसर है। भारत के प्रत्येक व्यक्ति को विशेष रूप से विद्यार्थियों को संविधान की जानकारी का होना अत्यंत आवश्यक है एवं लाभप्रद भी है। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किया। मंच संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक राम प्रकाश वर्मा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक बीके झा, धनंजय पांडेय, रवि किशोर शर्मा, हरीश कुमार साहू, अजय चतुर्वेदी, अजीत कुमार सिंह, मुकेश कुमार, भूपेंद्र यादव, सीमा चतुर्वेदी, अंजली यादव, नेहा शर्मा, पिंकी सिंह, वीरन्ना गौडा, डी राजा हरिश्चंद्र राय, राजू, सुनीता यादव सभी विद्यार्थी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय में मनाया गया संविधान दिवस

टीकमगढ़, देशबन्धु। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देषानुसार एवं हितेन्द्र सिंह सिसौदिया प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ के मार्गदर्शन में 26 नवम्बर 2023 को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन एवं संगोष्ठी का आयोजन एडीआर भवन, जिला न्यायालय परिसर टीकमगढ़ में किया गया। बृजेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ द्वारा उक्त संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन के साथ-साथ उक्त संविधान दिवस के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में 26 नवंबर की अपनी खास अहमियत है। यही वह दिन है, जब भारत ने अपने संविधान को अपनाया था। 1946 में संविधान बनाने के लिए संविधान सभा का गठन किया गया और संविधान तैयार करने में 02 वर्ष 11 माह और 18 दिन लगे। यह 26 नवंबर1949 को पूरा हुआ और अपनाया गया। हालांकि भारतीय संविधान 26 जनवरी 1950 को पूर्णतः लागू हुआ था। जिसे हम लोग हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं। 26 नवंबर को संविधान दिवस के साथ-साथ राष्ट्रीय कानून दिवस भी मनाया जाता है। उक्त संविधान की प्रस्तावना के वाचन में एलएडीसीएस के पदाधिकारी संदीप खरे, अजीज कुरैशी, राजू रैकवार, अधिवक्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय के कर्मचारी कैलाश नारायण मिश्रा, दीपेश कुमार जैन, श्रीमती परवीन बानो, श्रीमती शालिनी जैन, ग्रामीण स्वावलंबन समिति के सदस्य महेश वंशकार, देवेन्द्र अहिरवार, प्रियंका अहिवार एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित

कार्यपालन यंत्री का बड़ा कारनामा

सजायफ्ता कर्मचारी को फिर से रख लिया नौकरी पर

पन्ना, देशबन्धु। जिले के लोक स्वास्थ यंत्रीकीय विभाग में विगत चार वर्ष से पदस्थ कार्यपालन यंत्री महेन्द्र सिंह द्वारा शासन के नियम कानून एक तरफ रखकर मनमाने ढंग से कार्य किया जा रहा है। जहां एक ओर उनके द्वारा वाहन का दुरूपयोग करने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है, वहीं अब एक ओर बडा फर्जीबाडा उनके द्वारा किया गया है। लोक स्वास्थ यंत्रीकीय विभाग में हेल्पर के पद पर पदस्थ रामकृपाल पिता सुकरू चौधरी जिसके द्वारा नत्थु लाल वर्मा के साथ बुरी तरह मारपीट की गई थी। जिसको लेकर फरियादी नत्थु लाल वर्मा ने कोतवाली पन्ना में रिपोर्ट की थी जिसके आधार पर अपराधी रामकृपाल चौधरी पिता सुकडू खेजडा मंदिर के पास की रिपोर्ट पर संबंधित राम कृपाल के खिलाफ प्रकरण क्रमांक 2189/2015 धारा 323, 294, 325, 34 का मामला दर्ज हुआ था, तथा उक्त प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था।

जिसमें न्यायालय द्वारा 28 जून 2019 को निर्णय एवं दण्डादेश पारित किया गया था। जिसमें आरोपी राम कृपाल सहित अन्य को एक-एक वर्ष का कारावास तथा पन्द्रह-पन्द्रह सौ रूपये के जुर्माना से दण्डित किया गया था। आरोपी लगभग दो माह जेल में रहा इसके बाद राम कृपाल द्वारा सत्र न्यायालय पन्ना में अपील प्रस्तुत की गई थी जिसमे वह अपील भी निरस्त हो गई थी। इसके बावजूद विभाग के अधिकारी द्वारा राम कृपाल को निलंबित भी नही किया गया और न ही कोई कार्यवाही की गई तथा फिर से नोकरी पर रख लिया गया है तथा उसको बकायदा वेतन भी दी जा रही है। गौरतलब है कि विभाग द्वारा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही न करना न्याय प्रकिया का खुला उल्लघंन है। जब तक संबंधित व्यक्ति न्यायालय से दोष मुक्त नही हो जाता तब तक उसे फिर से नोकरी में नही रखा जा सकता है। लेकिन पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री महेन्द्र सिंह तथा लिपिक लोकेन्द्र भदोरिया द्वारा संबंधित अधिकारी से मोटी रकम लेकर उसे फिर से नोकरी में रख लिया है, जो अभी पवई में पदस्थ है। ज्ञात हो कि महेन्द्र सिंह अनेक कारनामो के चलते चर्चाओ में है, बताया जाता है कि इस मामले में जिला कलेक्टर द्वारा भी पत्र जारी कर संबंधित को नियम विरूद्ध नियुक्त करने वाले को हटाने संबंधित पत्र जारी किया गया था उसके बावजूद आज दिनांक तक कार्यपालन यंत्री द्वारा उसे नही हटाया गया है।

वाहन की टक्कर से होमगार्ड सैनिक की मौत

दमोह देशबन्धु। जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत नरसिंहगढ़ चौकी के समीप कल्याणपुरा के समीप में अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से नरसिंगढ चौकी में पदस्थ होमगार्ड सैनिक बैच नंबर-197 निर्मुल सिंह लोधी उम्र करीब 56 वर्ष निवासी बड़ागांव थाना दमोह देहात को गंभीर हालत में दमोह जिला अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी रत डॉक्टर ने चेकअप उपरांत मृत घोषित कर दिया।

सीएम राइज स्कूल में एनसीसी का स्थापना दिवस मनाया

दमोह/हटा देशबन्धु। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सी एम राइज हटा मे 75 वे एनसीसी डे स्थापना दिवस के रूप मे हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। जिसमे सर्वप्रथम केडेट्स ने मार्चपास्ट कर ध्वज को सलामी दीं उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर गीत के माध्यम से प्रस्तुति दी। संस्था के परिसर मे वृक्षा रोपण कर पूर्व से रोपित पौधो की साफ सफाई गुडाई का कार्य किया। अच्छा कार्य करने बाले केडेट्स को विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुरुस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन एनसीसी गीत के द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम 11 एमपी बटालियन के कमान अधिकारी के निर्देशन मे किया गया। विद्यालय प्राचार्य अग्रवाल द्वारा शुभकामनायें दी गई। इस अवसर पर एन सी सी अधिकारी चीफऑफिसर एस.एस. राजपूत, फर्स्ट ऑफिसर पी.एन. खेमरिया ने सभी केडेट्स को एनसीसी का सदस्य बनने पर शुभकामनायें देकर सम्बोधित किया। विद्यालय परिवार से ए.एन. स्वर्णकार, विमल तिवारी, मनीष चौरसिया, रामू रजक का विशेष सहयोग रहा ।

भागवत कथा में विश्व का सबसे महान चरित्र गरीब ब्राह्मण और भगवान कृष्ण: वैष्णवी

दमोह देशबन्धु। महिला मंडल सुरेखा कालोनी दमोह में श्रीमद्भागवत कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग ने कथा के समापन दिवस पर श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र की सभी महत्वपूर्ण गाथाओं का वर्णन किया. किशोरी ने कहा कि हमें अपने जीवन का प्रत्येक पल ईश्वर भक्ति में व्यतीत करना चाहिए. हमें हर सांस में ईश्वर का नाम लेना चाहिए. एक भी सांस व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। भक्त सुदामा ने श्री कृष्ण के बालपन में अपनी आयु व्यतीत की सौभाग्य से उनके सहपाठी बनें। समय के परिवर्तन में सुदामा ने अपने परिवार को गरीबी में पाला और श्री कृष्ण द्वारकाधीश बने। पत्नी के बार- बार कहने पर अपने मित्र श्री कृष्ण जी को मिलने गये। सुदामा इतने निर्धन थे कि उन्होंने पत्नी द्वारा लोगों से मांग कर लाए गए दो मुट्ठी चावल द्वारकाधीश को भेंट करने के लिए साथ ले चले। सुदामा पूछते हुए राजमहल गए और किसी ने श्री कृष्ण का मित्र होने का विश्वास नहीं किया। एक द्वारपाल ने द्वारकाधीश को सूचित किया। इतना सुनते ही श्री कृष्ण मित्र सुदामा-सुदामा कहते हुए दौड़ पड़े। श्रीकृष्ण अपने रथ पर बिठाकर सुदामा को राज भवन लाए और उनका मान सम्मान किया। उन्होंने कहा कि सच्चा मित्र वहीं है जो अपने मित्र को निस्वार्थ भाव से प्यार करे और विपत्ति आने पर उनकी सहायता करे। मुख्य श्रोता अर्चना डॉक्टर तरुण श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति विकास पांडे ,श्रीमती अनिता राय, श्रीमती रमा खरे, मिथिलेश खरे, श्री राय दादा ,देवेश राजपूत रहे।

हिंडोरिया पुलिस ने पकड़े 2 जुए के फड़

दमोह देशबन्धु। जिले के हिंडोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार को नगर बस स्टैंड के समीप और ग्राम खेरूवा गांव में चल रहे जुए फड़ पर पुलिस ने छापा मारा कार्रवाई करते हुए जुआ फड़ों से नगदी के साथ जुआरियों पर कार्रवाई करते हुए बताया कि हिंडोरिया नगर बस स्टैंड पर जुआ खेलने की खबर लगते ही तत्काल पहुंचकर चार आरोपियों से 6000 नगदी और ग्राम खेरूवा में 20000 नगदी के साथ तीन आरोपी और अन्य आरोपी फरार हो गए। जहां सभी आरोपियों पर जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी हिंडोरिया महेंद्र सिंह जगेत और पुलिस स्टाफका विशेष योगदान रहा।

विष्णु भगवान भक्तों के लिए कभी निराकार तो कभी साकार रूप धारण करते हैं: पं.रवि शास्त्री

दमोह देशबन्धु। स्थानीय राजा पटना बैंक के पीछे चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिवस में कथावाचक पं. रवि शास्त्री महाराज ने कहा कि श्रीहरि विष्णु भगवान अपने भक्तो पर कृपा करने के लिये कभी निराकार तो कभी साकार रूप धारण करते हैं एक बार तुलसीदास महाराज को किसी ने बताया की जगन्नाथ जी मैं तो साक्षात भगवान के ही दर्शन होते हैं बस फिर क्या था सुनकर तुलसीदास महाराज तो बहुत ही प्रसन्न हुए और अपने इष्टदेव का दर्शन करने श्रीजगन्नाथपुरी को चल दिए महीनों की कठिन और थका देने वाली यात्रा के बाद जब वह जगन्नाथ पुरी पहुंचे तो मंदिर में भक्तों की भीड़ देख कर प्रसन्न हुए जगन्नाथ जी का दर्शन करते ही उन्हें बड़ा धक्का सा लगा वह निराश हो गये और विचार किया कि यह हस्तपदविहीन देव हमारे जगत में सबसे सुंदर नेत्रों को सुख देने वाले मेरे इष्ट श्री राम नहीं हो सकते इस प्रकार दुखी मन से बाहर निकल कर दूर एक वृक्ष के तले बैठ गये। सोचा कि इतनी दूर आना ब्यर्थ हुआ क्या गोलाकार नेत्रों वाला हस्त पद विहीन देव मेरा राम हो सकता है नहीं रात्रि हो गयी थके माँदे भूखे-प्यासे तुलसी का अंग टूट रहा था अचानक एक आहट हुई वे ध्यान से सुनने लगे अरे बाबा तुलसीदास कौन है एक बालक हाथों में थाली लिए पुकार रहा था।

उन्होंने सोचा साथ आए लोगों में से शायद किसी ने पुजारियों को बता दिया होगा कि तुलसीदास भी दर्शन करने को आए हैं इसलिये उन्होने प्रसाद भेज दिया होगा आप उठते हुए बोले हाँ भाई मैं ही हूँ तुलसीदास बालक ने कहा अरे आप यहाँ हैं मैं बड़ी देर से आपको खोज रहा हूँ बालक ने कहा लीजिए जगन्नाथ जी ने आपके लिए प्रसाद भेजा है।

तुलसीदास बोले इसे वापस ले जाओ बालक ने कहा आश्चर्य की बात है जगन्नाथ का भात-जगत पसारे हाथ और वह भी स्वयं महाप्रभु ने भेजा और आप अस्वीकार कर रहे हैं क्या कारण है बाबा तुलसीदास जी बोले अरे भाई मैं बिना अपने इष्ट को भोग लगाये कुछ ग्रहण नहीं करता फिर यह जगन्नाथ का जूठा प्रसाद जिसे मैं अपने इष्ट को समर्पित न कर सकूँ यह मेरे किस काम का बालक ने मुस्कराते हुए कहा अरे बाबा आपके इष्ट ने ही तो भेजा है तुलसीदास बोले यह हस्तपदविहीन मूर्ति मेरा इष्ट नहीं हो सकता बालक ने कहा कि फिर आपने अपने श्रीरामचरितमानस में यह किस रूप का वर्णन किया है। बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना कर बिनु कर्म करइ बिधि नाना आनन रहित सकल रस भोगी बिनु बानी बकता बड़ जोगी अब तुलसीदास जी की भाव भंगिमा देखने लायक थी नेत्रों में अश्रु-बिन्दु मुख से शब्द नहीं निकल रहे थे थाल रखकर बालक यह कहकर अदृश्य हो गया कि मैं ही तेरा राम हूँ मेरे मंदिर के चारों द्वारों पर हनुमान का पहरा है विभीषण आज भी नित्य मेरे दर्शन को आता है कल प्रात: तुम भी आकर दर्शन कर लेना तुलसीदास जी की स्थिति ऐसी की आंखों से आँसू बह रहे थे और शरीर की कोई सुध ही नहीं उन्होंने बड़े ही प्रेम से प्रसाद ग्रहण किया सुबह मंदिर में जब तुलसीदास जी दर्शन करने के लिए गए तब उन्हें जगन्नाथ जी बलभद्र और सुभद्रा के साक्षात भव्य दर्शन हुए। पुरी में जिस स्थान पर तुलसीदास जी ने रात्रि व्यतीत की थी वह स्थान तुलसी चौरा नाम से विख्यात हुआ वहाँ पर तुलसी पीठ बड़छता मठ के रूप में प्रतिष्ठित है।

न्यायाधीश की अध्यक्षता में पवई में हुई संयुक्त बैठक

पन्ना, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आगामी 9 दिसम्बर को जिला न्यायालय सहित सभी तहसील न्यायालय में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के जरिए प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के लिए रविवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष भावना साधौ की अध्यक्षता में पवई तहसील में सभी न्यायाधीश और अभिभाषकों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। प्रधान जिला न्यायाधीश ने बैठक में सभी राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, चेक अनादरण के प्रकरण, एक्सीडेंट क्लेम प्रकरण और पारिवारिक तथा दीवानी प्रकरणों का नेशनल लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में राजीनामा के जरिए निराकरण करवाने में सहयोग की अपेक्षा की। जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव राजेन्द्र कुमार पाटीदार ने एक्सीडेंट क्लेम प्रकरणों में राजीनामा के लिए सालसा द्वारा जारी प्रतिकर गणना की गाइडलाइन के बारे में सभी अभिभाषकों को विस्तार से अवगत कराया। इसके उपरांत पवई न्यायालय में विचाराधीन सभी क्लेम प्रकरणों की बीमा कम्पनी के अभिभाषक व आवेदक अभिभाषकों के मध्य विस्तार से चर्चा कराई जाकर अनेक प्रकरणों में प्रपोजल तैयार कराए गए। बीमा कम्पनी से सहमति प्राप्त होते ही प्रकरणों का राजीनामा के माध्यम से लोक अदालत में निराकरण हो सकेगा। साथ ही पक्षकारों को त्वरित न्याय के साथ प्रतिकर राशि भी प्राप्त होगी। इस मौके पर तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष नवनीत कुमार वालिया, न्यायाधीश शिवराज सिंह गवली, राम सिंह बघेल, हिमांशी ठाकुर भारद्वाज सहित बीमा कम्पनी के अभिभाषक एमएल अवस्थी, पवई तहसील के बार अध्यक्ष गोविन्द नारायण सिंह बुन्देला एवं सभी अभिभाषकगण उपस्थित रहे।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में 3 दिसम्बर को होगी मतगणना

रायसेन,देशबन्धु। मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिले की चारों विधानसभाओं में 17 नवम्बर को हुए मतदान की मतगणना 03 दिसम्बर 2023 को रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे ने बताया कि मतगणना हेतु निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी तैयारियां की जा रही हैं। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में मतगणना की प्रक्रिया 03 दिसम्बर को प्रात: 08 बजे प्रारंभ होगी। प्रत्येक विधानसभा हेतु दो मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र सांची, उदयपुरा, भोजपुर हेतु प्रथम कक्ष में ईवीएम से मतगणना हेतु कुल 07 टेबल एवं पोस्टल बैलेट की गणना हेतु कुल 03 टेबल लगाई गई है और कक्ष क्रमांक-02 में ईवीएम से गणना हेतु कुल 11 टेबल लगाई गई है। सिलवानी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रथम मतगणना कक्ष में ईवीएम से गणना हेतु कुल 07 टेबल एवं पोस्टल बैलेट की गणना हेतु कुल 03 टेबल लगाई गई हैं। सिलवानी विधानसभा के कक्ष क्रमांक-02 में ईवीएम से गणना हेतु कुल 07 टेबल लगाई गई हैं। मतगणना परिसर एवं कक्ष में मोबाईल ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित है।

मतगणना संबंधी सूचनाओं के लिए कंट्रोल रूम: मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिले में मतगणना कार्य से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं निरंतरता हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे के आदेशानुसार शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रायसेन में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नम्बर 07482-299310 है। कंट्रोल रूम के लिए नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा तीन पालियों में अधिकारियों, कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। कंट्रोल रूम कक्ष का प्रभारी अधिकारी तथा नोडल अधिकारी जिला संस्थागत वित्त अधिकारी श्री खिलान सिंह यादव को बनाया गया है। साथ ही श्री मुकेश लारिया बहुउद्देशीय कार्यकर्ता जिला आयुष अधिकारी कार्यालय को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इनके अतिरिक्त तीन पालियों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

10 साल से चल रहा बेतवा रिपटा घाट कार्तिक स्नान का आयोजन

गंजबासौदा, देशबन्धु। स्थानीय बेतवा रिपटा घाट पर विगत एक माह से कार्तिक स्नान के साथ भगवान शिव का अभिषेक और दीपदान का आयोजन चल रहा था। पंडित भागीरथ शास्त्री के सानिध्य में चल रहे आयोजन का समापन सोमवार कार्तिक पूर्णिमा पर प्रात: 530 से 730 बजे शिव अभिषेक दीपदान के साथ हो जाएगा। नागरिक बैंक के अध्यक्ष जितेंद्र दुबे ने बताया कि कार्तिक माह में रिपटा घाट पर यह आयोजन विगत 10 वर्षों से चल रहा है। जिसमें नियमित रूप से श्रद्धालु प्रात: काल नदी घाट पर पहुंचकर स्नान करते हैं इसके बाद भगवान शिव का अभिषेक और आरती का आयोजन होता है। डा. अशोक रोहले ने बताया कि बेतवा रिपटा घाट पर सूर्योदय से पूर्व श्रद्धालु प्रतिदिन कार्तिक स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। यहां प्रतिदिन भगवान शिव का भी अभिषेक किया जा रहा है। 27 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा पर इसका समापन होगा। रिपटा घाट पर चल रहे कार्तिक स्नान और शिव अभिषेक में नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव नगर पालिका सीएमओ पवन कुमार शर्मा सहित कई श्रद्धालु शामिल हुए।

संविधान से मिलता है हमे हमारा हक: सिंह

गंज बासौदा, देशबन्धु। आज का दिन स्वतंत्र भारत के लिऐ बड़ा ऐतिहासिक दिन है इसी दिन संबिधान बनकर पूरा हुआ और उसे अपनाया गया। हर भारतीय को आज 26 नमम्वर को संविधान दिवस पर गर्व है। कोई भी देश बिना संविधान के नहीं चल सकता। यह संविधान ही है जो अलग अलग जाति धर्म होने के बाबजूद भारत की आबादी को एक देश की तरह जोड़ता है।

यह बात शासकीय प्राथमिक शाला कालापठार के प्रभारी प्रथ्वी सिंह रघुवंशी ने शाला में संविधान दिवस मनाते हुए कही। रघुवंशी ने कहा कि इस दिन का महत्व इसी बात से लगाया जा सकता है कि रविवार का अवकाश होने के बाबजूद हम संविधान दिवस मना रहे है। यह दिन हमे आजाद देश के आजाद नागरिक होने की भावना का अहसास कराता है और संविधान के मौलिक अधिकार हमे हमारा हक और मौलिक कर्तव्य हमे हमारी जिम्मेदारी का अहसास कराते है। सभी ने संविधान दिवस पर शपथ ली। इस अवसर पर गोपाल दास अहिरवार, रानी रघुवंशी, आरती अहिरवार सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

स्कूल में वार्षिकोत्सव पर हुए कई कार्यक्रम

सिरोंज, देशबन्धु। संस्कार ग्रीन वैली स्कूल के स्थापना के दसवें वर्ष में प्रवेश करने पर आकर्षक वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य थीम भारत-दर्शन के आधार पर छात्र-छात्राओं ने अनेक सुंदर प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में आए अतिथियों और छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति से समारोह को गरिमा प्रदान की। आकर्षक ढंग से सजे विद्यालय परिसर में स्वागतोत्सुक विद्यालय ने अपनी परम्परा को निभाते हुए सर्वप्रथम आमंत्रितों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके बाद गणेश-वंदना के साथ उत्सव की शुरुआत हुई। प्राचार्या दीपाली अल्हाट ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विगत वर्ष में विद्यालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों की जानकारी दी तथा छात्रों को यथोचित साधनों को उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। रंग बिरंगे परिधानों में सजे नन्हे-नन्हे बच्चों ने अपनी मोहक प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें नृत्य, नाटक एवं सामाजिक परिवेश को छूते विषय सम्मिलित थे। विभिन्न राज्यों की संस्कृति और देशप्रेम की भावना जब नृत्य व नाटकों के माध्यम से मंच पर प्रदर्शित हुई तो लोग देखते ही रहे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण लकी-ड्रा के रूप में था जिसके माध्यम से अनेक भाग्यशाली अतिथियों ने आकर्षक उपहार प्राप्त किए। साथ ही किड्स -जोन, फूड जोन और सेल्फी पाइंट ने सभी के आनंद को दोगुना कर दिया।

एसडीएम ने जन सहयोग से पीड़ित को मुहैया कराई सहायता

भेरून्दा/नसरुल्लागंज, देशबन्धु। तहसील क्षेत्र के आदिवासी अंचल के ग्राम बावड़ीखेड़ा निवासी राजेश बारेला का परिवार आग लगने से घर से बेघर हो गया। उसकी गृहस्थी का सारा सामान और मकान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की मदद से बमुश्किल आग पर काबू पाया जा सका। राजेश बारेला का कहना मैं काम पर गया था। मुझे नहीं पता किन कारणों से आग लगी। घटना की जानकारी लगते ही प्रशासन और जन प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को यथासंभव आर्थिक मदद का भरोसा दिलाया और नसरूल्लागंज आकर एसडीएम एम.एस. रघुवंशी, भाजपा नेता आशीष शर्मा ने जन सहयोग से गैस चूल्हा, सिलेंडर, कपड़े, बर्तन, किराना सामान एवं जीवन यापन के लिए आवश्यक सामग्री खरीद कर पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराई गई। एसडीएम एएस रघुवंशी के इस सराहनीय पहल पर सभी क्षेत्रवासियों ने उनकी प्रशंसा की है।

विवि की कीर्तियात्रा में सहभागी बन डॉ. गौर के प्रति कृतज्ञता के पुष्प अर्पित करें: कुलपति

सागर, देशबन्धु। महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 154वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन बुन्देलखण्ड ही नहीं समूचे भारतवर्ष के लिए ज्ञान के संधान का दिन है। आज के ही दिन इस धरा धाम पर डॉ. गौर के रूप में ज्ञान दान का अप्रतिम सूर्योदय हुआ था। जो आगे चलकर पूरे बुन्देलखण्ड की उज्ज्वल पहचान बन गया। उन्होंने डॉ. गौर के जीवन कर्म को रेखांकित करते हुए कहा कि डॉ. गौर का जीवन और कर्म हम सबके लिए एक सबक है। वे पढ़ना चाहते थे। एक महान संकल्प में बदलते हुए अपने सागर में विश्वविद्यालय के रूप में ज्ञान का एक महान स्थापत्य खड़ा कर दिया है। डॉ. हरीसिंह गौर ने ज्ञान का जो एक पौधा रोपा था, वह अब ज्ञान के एक विशाल कल्पवृक्ष में रूपान्तरित हो चुका है। प्रगति और उन्नयन की अनेक उपलब्धियां विवि के साथ जुड़ती जा रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में मेरा प्रयास है कि मैं डॉ. हरीसिंह गौर के सपनों के अनुकूल इस अकादमिक संस्थान को प्रगति पथ पर गतिमान कर सकूं। उन्होंने समस्त नागरिकों से विश्वविद्यालय की कीर्तियात्रा में सहभागी बनने की अपील करते हुए कहा कि हम सभी अपने निजी हितों को सहयोग में और अपनी भावना को कर्म में रूपान्तरित कर अपने गौर साहब के प्रति अपनी कृतज्ञता के पुष्प अर्पित करें।

डॉ. गौर का जीवन और कर्म हम सभी के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है: कुलपति

सारस्वत उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शैक्षिक एवं सामाजिक क्रांति के अनन्य नायक एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर की 154 वीं जयंती पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे विश्वविद्यालय के लिए ही नहीं बल्कि पूरे बुन्देलखण्ड और समूचे देश के लिए चेतना का महोत्सव है। आज का यह दिन अज्ञान पर ज्ञान का, नकारात्मकता पर सकारात्मकता का और समस्याओं पर मनुष्य के पुरूषार्थ के विजय का प्रतीक है। डॉ. गौर ने शिक्षा, दर्शन, साहित्य, विधि, राजनीति आदि क्षेत्रों में अपनी नवोन्मेषी चेतना के चलते अनेक विशिष्ट उपलब्धियों को प्राप्त किया और वैश्विक स्तर पर अपने समय के चर्चित महानुभावों की प्रशंसा और सम्मान प्राप्त किया। मैं अपने विद्यार्थियों से कहना चाहती हूं कि वे गौर साहब के जीवन को देखें और सीखें कि एक अकेले व्यक्ति के दु:ख से उपजा संकल्प कैसे मनुष्यता के महान स्वप्न में बदल जाता है। आप डॉ. हरीसिंह गौर जैसे आधुनिक युग के ज्ञान ऋषि की तपस्या से सृजित संस्थान में अध्ययन कर रहे हैं। इसलिए आपकी जिम्मेदारी बड़ी है। आपका आचरण, आपकी सजगता, अनुशासन, अध्ययन, शोध और चिन्तन के क्षेत्र में आपकी उपलब्धियां हमारे विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा का वाहक बनेंगे और डॉ. गौर के संकल्पों के प्रति कृतज्ञता होंगे। मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी मंचासीन अतिथियों ने पुरस्कृत किया। गौर उत्सव सप्ताह के विभिन्न आयोजनों के विजेताओं को मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह के अंत में ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा बधाई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। संचालन डॉ. ललित मोहन ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया।

डॉ. गौर ने अविकसित क्षेत्र को शिक्षा का उपहार दिया

कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. गौर की जीवन यात्रा पर चर्चा करते हुए कहा कि डॉ. गौर शिक्षाविद के साथ-साथ एक महान समाज सुधारक भी थे। छुआछूत जैसी अमानवीय परंपराओं का विरोध किया। बुंदेलखंड जैसे अविकसित क्षेत्र को शिक्षा का उपहार दिया। आज देश के कोने-कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। हम शिक्षकों का दायित्व है कि हम विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करें। समाज के उत्थान और शिक्षा के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। भारतीय संविधान के निर्माण में उनका अप्रतिम योगदान है। उन्होंने बहुत से ऐसे कानूनों के निर्माण में सहयोग दिया जिनसे समाज के वंचित वर्गों का कल्याण हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं सभी अतिथियों ने गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया। एनसीसी विद्यार्थियों द्वारा गार्ड ऑफ आनर दिया। सभी अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

संविधान की उद्देशिका का हुआ वाचन

संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संविधान के प्रति आस्थावान रहने की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा कुलाधिपति श्री बेरवाल को गौर धरोहर का मंगल कलश अभ्यर्पण किया गया। पूर्व छात्र, पूर्व शिक्षक एवं पूर्व कुलपति को गौर-गौरव, गौर रत्न, गौर मणि देकर किया सम्मानित कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि प्रो. संतोष कुमार को गौर-गौरव सम्मान, पीएस परिहार को गौर रत्न एवं प्रो. संजय श्रीवास्तव को गौर मणि सम्मान से सम्मानित किया। गौर जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय की तरफ से शहर वासियों के लिए डॉ. गौर स्वास्थ्य परामर्श केंद्र का उद्घाटन कटरा बाजार स्थित गौर अध्ययन केंद्र पर कुलपति द्वारा किया गया। इस केंद्र के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श परीक्षण स्वास्थ्य काउंसलिंग स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे जिसका लाभ सभी शहरवासी प्रत्येक बुधवार प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में विश्वविद्यालयीन मनौवैज्ञानिक परामर्श केंद्र का उदघाटन कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलम गुप्ता के द्वारा किया गया।

तीनबत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ।

गौर प्रांगण में हुआ मुख्य समारोह

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्या समारोह प्रारम्भ हुआ। संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं गौर गीत की प्रस्तुति दी। विशिष्ट अतिथियों के रूप में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. संतोष कुमार, पूर्व छात्र एवं पूर्व निदेशक एएमडी हैदराबाद, पीएस परिहार, पूर्व शिक्षक एवं मोतिहारी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव मंचासीन थे। सारस्वत उद्बोधन विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल ने की। गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार कठल ने गौर उत्सव.2023 का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

सागर, देशबन्धु। महान दानवीर विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरिसिंह गौर की 154 वीं जयंती के अवसर पर तीन बत्ती स्थित गौर प्रतिमा पर पूर्व विधायक सुनील जैन, सागर से कांग्रेस प्रत्याशी निधि जैन, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजकुमार पचौरी, नगर विधायक शैलेंद्र जैन सहित अनेक लोगों ने गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

मतगणना 3 दिसम्बर को शुष्क दिवस घोषित

सागर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार विधानसभा निर्वाचन.2023 को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य द्वारा 3 दिसम्बर 2023 को मतगणना दिवस को शुष्क दिवस घोषित करते हुए मदिरा की बिक्री प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य द्वारा जारी आदेश अनुसार शुष्क दिवसों में संपूर्ण सागर जिले की परिसीमा में स्थित एवं संचालित समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों, एफएल.3 होटलबार एवं जिले में स्थित देशी मद्यभंडागार से मदिरा का आयात, निर्यात, परिवहन, क्रय, विक्रय एवं प्रदाय पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।

कांग्रेस सेवादल ने संविधान दिवस दीपक जलाकर मनाया

सागर, देशबन्धु। 26 नवंबर को संविधान की रचना डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के द्वारा किए जाने के उपलक्ष्य में सेवादल ग्रामीण द्वारा भगवानगंज चौराहे पर डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर दीप जलाकर पुष्पांजलि कर संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण अध्यक्ष महेश जाटव के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य रूप से जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष आनंद अहिरवार कहा देश में स्वतंत्रता के बाद जिस संविधान की जरूरत थी उसे बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने लिखकर देश को दिशा दी। प्रदेश महासचिव मुकुल पुरोहित ने कहा हमारे देश का संविधान दुनिया में अलग टाइप का संविधान है जो देश को विभिन्नता में रहकर एक साथ चलने का मार्ग प्रशस्त करता है, ननि नेता प्रतिपक्ष बाबू सिंह यादव ने कहा देश में विभिन्न जाति वर्गों को साथ लेकर चलने वाला संविधान डॉ. अंबेडकर साहब द्वारा रचा गया। कार्यक्रम में सेवादल के अध्यक्ष सिंटू कटारे, चक्रेश सिंघई, प्रदीप गुप्ता, ओमप्रकाश पंडा, आनंद हेला, रमाकांत यादव, महजबीन अली आदि सहित सेवादल कांग्रेस परिवार के लोग उपस्थित रहे।

एनसीसी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए आयोजित

सागर, देशबन्धु। राष्ट्रीय छात्र सेना दिवस के अवसर पर नगर की शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए इसी तारतम्य में सीआर मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सागर में 11 एमपी बटालियन एनसीसी सागर के कमान अधिकारी कर्नल अरुण बलहरा एवं एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल बालकृष्ण सालूखे के निर्देश पर शाला के एनसीसी अधिकारी राजेंद्र सेन के मार्गदर्शन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की विद्या प्रचारिणी सभा के सदस्य एवं नगर के समाजसेवी अशोक सोनी उपस्थित थे कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. अरुण सोनी ने की कार्यक्रम के प्रारंभ में एनसीसी अधिकारी राजेंद्र सेन ने एनसीसी-डे पर प्रकाश डाला साथ ही डॉ. सर हरीसिंह गौर को उनकी जन्म जयंती पर स्मरण किया। कार्यक्रम में कैडेट नमन अहिरवार, विक्रम अहिरवार, अनिकेत सूर्यवंशी ने अपने विचार व्यक्त किये। कैडेट सचिन अहिरवार, अनुराग कुर्मी सत्यकांत आदि नए देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक सोनी ने कहा कि एनसीसी देश व समाज को संस्कारवान एवं अनुशासित नागरिक प्रदान करने का कार्य कर रही है सही मायने में एनसीसी राष्ट्र निर्माण में सहायक है कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अरुण सोनी ने कहा कि एनसीसी से कैडेट्स में एकता व अनुशासन की भावना संचारित होती है। शाला के प्राचार्य सुधीर कुमार रोहण ने समस्त एनसीसी कैडेट्स को एनसीसी-डे की शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम एनसीसी गान के साथ समाप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन कैडेट अनुराग कर्मी ने किया।

अंकुर कॉलोनी में पिच्छीका परिवर्तन समारोह संपन्न

पिच्छी जिसे प्राप्त हो जाती है उसके कर्मों का पीछा छुड़ा देती है: मुनिश्री

मकरोनिया, देशबन्धु। पिच्छी मुनियों संतो का आवश्यक उपकरण है पिच्छी परिवर्तन बाहरी लेनदेन का नहीं बल्कि हृदय परिवर्तन का दिवस है। जो व्यक्ति संयम नियम लेकर मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ता है उसे मुनिश्री पुरानी पिच्छी प्रदान करते हैं और नई पिच्छी ग्रहण कर ली जाती है। वर्ष भर उपयोग करते-करते पंखों की मृदुता समाप्त हो जाती है, इसलिए वर्षायोग पश्चात इसे बदलकर नई पिच्छी ग्रहण कर ली जाती है यह पिच्छी परिवर्तन कहलाता है। क्षुल्लक श्री चंद्र दत्त सागर ने कहा पिच्छी जिसे प्राप्त हो जाती है उसके कर्मों का पीछा छुड़ा देती है। पिच्छी वालों के पीछे लगे रहना, अवश्य ही आप भी एक ना एक दिन पिच्छी ग्रहण कर लोगे। पिच्छी रत्नत्रय का प्रतीक है, पिच्छी में बंधी डोर रस्सी सम्यक दर्शन का, पंख ज्ञान का और दंडी सम्यक चारित्र का प्रतीक है। जीवो की रक्षा करने के काम आती है। प्राणी रक्षा का दिवस है पिच्छी परिवर्तन। ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन ने बताया कार्यक्रम का शुभारंभ पाठशाला के बच्चों के मंगलाचरण से किया गया चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन

महेश बिलहरा, राजा भैया, सुरेंद्र मालथोन, कपिल मलैया, मुकेश जैन ढाना, अशोक जैन एवं मुनिश्री के परिजनों के द्वारा किया गया। अष्ट द्रव्य से आचार्य श्री विद्यासागर की संगीतमय पूजन भी की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने मुनिश्री के चरणों में श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठशाला संचालिका माया जैन, सीमा जैन के द्वारा तैयार करके बच्चों की आकर्षक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। मुनि सेवा समिति सदस्य मनोज जैन लालो ने बताया मुनि संघ को नवीन पिच्छीका देने का सौभाग्य मनोज मनीषा जैन लालो, डॉ. अमरचंद जैन, संतोष जैन स्टील एवं सुकमाल जैन नैनधरा को प्राप्त हुआ। चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष कमलेश चौधरी एवं मंत्री सुनील जैन ने बताया मुनि श्री सुदत्तसागर की पुरानी पिच्छी का प्राप्त करने का सौभाग्य डॉ. महेंद्र समैया को एवं क्षुल्लक श्री चंद्र दत्त सागर की पुरानी पिच्छी लेने का सौभाग्य प्रेमचंद पटवारी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन ब्र. अजय भैया झापन, पं. उदयचंद शास्त्री एवं जिनेश बहरोल ने किया।

सब जेल बण्डा में सीपीआर डेमो का प्रदर्शन किया गया

बण्डा, देशबन्धु। सब जेल बण्डा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्साधिकारियों द्वारा प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर समस्त बंदियों एवं उपस्थित जेल स्टाफ को सीपीआर, सांप काटने, खून के बहाव को रोकने मिर्गी के दौरान सावधानी एवं जलने पर तत्काल उपचार प्रदान किये जाने के सबंध में आवश्यक जानकारी एवं सीपीआर को डेमो प्रदर्शन द्वारा समझकर प्रशिक्षण दिया गया एवं बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार परामर्श प्रदान किया। इस प्रशिक्षण शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से डॉ. आरएस भोजक, डॉ. मीनेश जैन, डॉ. तीर्थिश जैन एवं लैब टेक्निशियन राजेन्द्र चौरसिया उपस्थित रहे। प्रशिक्षण शिविर का आभार जेलर आरके यादव द्वारा व्यक्त किया गया।

स्ट्रांग रूम का प्रतिदिन किया जा रहा निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुपालन में विधानसभा निर्वाचन के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम में मतदान के उपरांत ईव्हीएम मशीनो को सुरक्षित रूप से रखा गया है। इन स्ट्रांग रूम का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी व रिटर्निंग अधिकारियों को प्रतिदिन स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करने के निर्देश चुनाव आयोग द्वारा दिए गए है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य द्वारा जिले के आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पहुंचकर प्रतिदिन निरीक्षण किया जा रहा है।

एक सौ बारह टेबिलों पर होगी ईव्हीएम के मतों की गणना

सबसे ज्यादा 22 चक्र में रहली और सबसे कम 17 चक्र में पूरी होगी बीना विधानसभा के मतों की गणना

सागर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के तहत जिले की आठों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में ईव्हीएम पर डाले गये मतों की गणना 112 टेबिलों पर की जायेगी। प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में डाले गये मतों की गणना के लिए 14-14 टेबिलों का उपयोग किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना में जिले की 8 विधानसभा क्षेत्र की जो चक्रवार गणना होगी, उसमें विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र रहली के ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना 22 चक्र में, विधानसभा क्षेत्र बंडा की 21, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र खुरई की 19, बीना की 17, सुरखी की 20, देवरी की 19, नरयावली की 20 एवं सागर की 18 राउंड में ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना होगी। उल्लेखनीय है कि सोलहवीं

विधानसभा के चुनाव के लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बीना में 232, खुरई में 253, बंडा में 291, देवरी में 255, रहली में 300, सुरखी में 271, सागर में 248 और नरयावली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 268 इस प्रकार कुल 2118 मतदान केन्द्र स्थापित किये गये थे। ईवीएम मशीन की मतगणना के पूर्व डाक मतपत्रों की गिनती होगी। मतगणना कक्ष में एक-एक गणना पर्यवेक्षक, सहायक पर्यवेक्षक, माइक्रो आब्जर्वर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि मतगणना कक्ष में मीडिया कर्मियों के लिए प्रवेश द्वार पर एक पीली पट्टी लगाई गई है। पीली पट्टी के अंदर प्रवेश निषेध रहेगा। पीली पट्टी से ही उनको मतगणना देखने की अनुमति होगी। सभी मीडिया कर्मियों के लिए मीडिया कक्ष स्थापित किया जा रहा है, जिसमें उनका प्रत्येक चक्र की जानकारी जिला जनसंपर्क कार्यालय के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन-** MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।